Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 232 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 20 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

झारखंड का वांटेड दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, जारी हुआ था लुकआउट नोटिस

रांची। झारखंड के मोस्ट वांटेड अपराधी निसार हसन उर्फ निशु को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है. निसार पर झारखंड के जमशेदपुर में हत्या समेत कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं. उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने निसार की गिरफ्तारी की पुष्टि की है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार निसार बहरीन से भारत लौट रहा था, इसी दौरान लुकआउट नोटिस के जरिए उसे दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया. निसार के खिलाफ झारखंड के जमशेदपुर में कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं. वह जमशेदपुर के कुख्यात अमरनाथ गिरोह से जुड़ा था. जमशेदपुर में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद वह लंबे समय से फरार चल रहा था.

जमशेदपुर पुलिस की पहल पर निसार के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था. बुधवार की सुबह निसार बहरीन से भारत लौटा, जहां उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया. दिल्ली पुलिस ने निसार की गिरफ्तारी की सूचना जमशेदपुर पुलिस को दे दी है और जमशेदपुर पुलिस की कार्यवाहक टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है.

निसार जमशेदपुर का कुख्यात अपराधी है और उस पर करणी सेवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह समेत कई लोगों की हत्या का आरोप है. निसार जमशेदपुर के कुख्यात अमरनाथ सिंह गिरोह से जुड़ा था. अमरनाथ सिंह की 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.

नालंदा में नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया के घर ईडी की रेड

नालंदा (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को बिहार के नालंदा के नगरनौसा में संजीव मुखिया के घर छापामारी कर तलाशी ले रही है. पूरे मामले का मास्टर माइंड नालंदा के संजीव मुखिया उसका पुत्र और उसके गैंग का नाम सामने आया.

गुरुवार को नालंदा में नीट पेपर के सूत्रधार संजीव मुखिया के बेटे डॉ. शिव और मुख्य आरोपी सिकंदर यादवेंदु के नगरनौसा थाना क्षेत्र स्थित गोसाईं मठ वाले आवास पर चल रहा है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम जब नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र में एक आरोपी के घर छापेमारी करने पहुंची तो वहां लोगों ने हंगामा किया.

पर्यटन बोर्ड प्रचार प्रसार और सुविधा विकसित करने में देगा सहयोग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर शारदाधाम पर्यटन स्थलों की सूची में हुआ शामिल

श्रद्धा और ज्ञान का अनोखा संगम है शारदाधाम

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ और झारखण्ड की अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक व प्राकृतिक पर्यटन स्थल शारदाधाम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ टुरीज्म बोर्ड ने राज्य के चिन्हकित पर्यटन स्थलों की सूची में शामिल कर लिया है। पर्यटन बोर्ड ने इसके लिए परिपत्र जारी कर दिया है। बोर्ड के इस निर्णय से इस पर्यटन स्थल को एक नई पहचान मिल सकेगी। बोर्ड इसके प्रचार-प्रसार के साथ ही पर्यटको के लिए मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए बजट उपलब्ध करा सकेगा।

शारदाधाम में विद्यादायनी माँ सरस्वती की श्रद्धा और ज्ञान अर्जन का अनोखा संगम देखने को मिलता है। यहां छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य के जरूरतमंद बच्चों के रहने और पढ़ने के लिए कोचिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। शारदाधाम समिति के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष कोचिंग संस्था में बच्चों के रहने,खाने के साथ उनकी कोचिंग की निशुल्क व्यवस्था की गई है। बच्चों के रहने और कोचिंग का जो भी खर्चा होता है,उसका व्यय समिति श्रद्धालुओं के सहयोग से पूरा करती है।

प्रकृतिक सौंदर्य से भरपूर है शारदाधाम प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल शारदाधाम,जिला मुख्यालय जशपुर से तकरीबन 30 किलोमीटर दूर,दुलदुला ब्लाक में स्थित है। माता सरस्वती का यह प्रसिद्ध मंदिर चारो ओर घने जंगल से घिरा हुआ है। नजदीक ही गिरमा नदी की कलकल करती मधुर ध्वनि यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का मन मोह लेते हैं। संचालन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि विद्यादायनी मां सरस्वती का यह भव्य मंदिर पूरी तरह से श्रमदान से तैयार किया गया है। दोनों राज्यों के श्रद्धालुओं ने पसीना बहा कर मां के इस मंदिर का निर्माण किया है। मंदिर के भवन का डिजाइन झारखंड के प्रसिद्ध लचलागढ़ हनुमान मंदिर के तर्ज पर तैयार किया गया है।

पर्यटन हब के रूप में विकसित हो रहा है जशपुर

उल्लेखनीय है कि वनाँचल क्षेत्र जशपुर में पर्यटन उद्योग विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तेजी से काम कर रहे हैं। कुनकुरी ब्लाक में स्थित मयाली नेचर कैंप के विकास के लिए दस करोड़ रूपये भारत दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं। यहीं स्थित मधेश्वर महादेव को हाल ही में गोल्डन बुक ऑफ़वर्ल्ड रिकार्ड ने विश्व का सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में मान्यता दी है।

इसके साथ ही सीएम विष्णुदेव साय ने जिले को पर्यटन नक्शे से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए फ़रसाबहार ब्लाक में स्थित कोतेबीराधाम में लक्ष्मण झूला के तर्ज पर पुल निर्माण की घोषणा की है। इसके साथ ही जिले में देशदेखा,रानीदाह जैसे पर्यटन स्थलों को विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय का लक्ष्य जिले में ग्रीन उद्योग विकसित कर जिलेवासियों को रोजगार उपलब्ध कराना है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के एडीजीपी के खिलाफ जांच सीबी-सीआईडी को सौंपी

हाई कोर्ट का आदेश खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एच एम जयराम के खिलाफ जांच क्राइम ब्रांच-क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीबी-सीआईडी) को सौंपने का फैसला किया है. तमिलनाडु सरकार ने कहा कि वह चाहती है कि सीनियर पुलिस अफसर से जुड़े कथित अपहरण मामले की जांच पूरी होने तक उनका निलंबन जारी रहे.

यह मामला जस्टिस उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की बेंच के समक्ष आया. बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्देश को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस को अपहरण मामले के सिलसिले में जयराम को हिरासत में लेने के लिए कहा गया था. साथ ही, हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि वे एडीजीपी से जुड़े मामलों को दूसरी बेंच को सौंप दें.

इससे पहले दिन में तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने बेंच के समक्ष दलील दी थी कि उनके मुवक्किल चाहते हैं कि जयराम का निलंबन तब तक जारी रहे जब तक कि उनसे जुड़े कथित अपहरण मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती. बेंच ने दवे से पूछा कि क्या वह वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के खिलाफ जांच को विशेष शाखा या सीआईडी को सौंप सकती है.

दवे ने बेंच को बताया कि, जयराम का निलंबन अपहरण मामले में हाई कोर्ट के 16 जून के आदेश के अनुसार नहीं था और उन्हें अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1969 के नियम के तहत निलंबित किया गया था. यह अनुशासनात्मक प्राधिकारी को सेवा के किसी सदस्य को निलंबित करने का अधिकार देता है, जिसके खिलाफ आपराधिक आरोप से संबंधित जांच या पूछताछ या मुकदमा लंबित है.

दवे ने कहा कि वर्तमान में जांच चल रही है और जांच अधिकारी की रिपोर्ट के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निलंबन आदेश के बारे में निर्णय लिया जाएगा. बेंच ने कहा कि वह हाई कोर्ट के समक्ष लंबित अपहरण मामले को हाई कोर्ट के किसी अन्य जज को ट्रांसफर कर सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता के पास निलंबन के आदेश का विरोध करने के लिए अपने उपाय हैं, हालांकि, जिन विवादास्पद परिस्थितियों में हाई कोर्ट का आदेश पारित किया गया था, उन्हें देखते हुए, कोर्ट का मानना है कि मामले की जांच सीबी-सीआईडी को सौंपी जा सकती है.

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी

भाषा विवाद के बीच गृह मंत्री बोले- अब बदलाव का समय

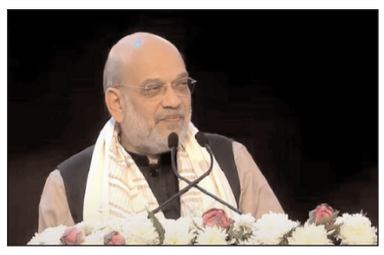

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विरासत को दोबारा प्राप्त करने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया है।

देश को समझने के लिए विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं

शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है, केवल दृढ़ निश्चयी लोग ही बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं हैं। अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण कै जिक्र किया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाना, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता, प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य की भावना जगना। उन्होंने कहा कि ये पांच प्रतिज्ञाएं देश के नागरिकों का संकल्प बन गई हैं। 2047 के विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

गृह मंत्री पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की लिखी गई पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं, के विमोचन में गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति लाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यह मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, इसलिए यहां सहानुभूति की कोई जगह नहीं है।

राहुल गांधी का नया पता- लुटियंस जोन का सुनहरी बाग:55वें जन्मदिन पर शिफ्टिंग शुरू की

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का आज 55वां जन्मदिन है। आज ही राहुल ने सुनहरी बाग रोड में बने टाइप-8 बंगले में अपना सामान शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। यह बंगला उन्हें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते आवंटित किया गया है।

संसदीय आवास समिति ने उन्हें 5 सुनहरी बाग रोड, 7 मोतीलाल नेहरू मार्ग और 3 कृष्णा मेनन मार्ग बंगले का ऑप्शन दिया था। इसमें से राहुल ने सुनहरी बाग को चुना।

राहुल अभी सोनिया गांधी के साथ 10 जनपथ में रहते हैं। 2023 में उन्होंने 12 तुगलक लेन का बंगला खाली किया था। जो 19 साल उनके पास था। लेकिन सांसदी जाने के बाद बंगला खाली करना पड़ा।

21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से कुछ दिन पहले राहुल गांधी उस बंगले में रहना शुरू कर देंगे।

राहुल को जो बंगला मिला है वह लुटियंस जोन में है। यहां देश के कई बड़े राजनेताओं, मंत्रियों और जजों के बंगले होते हैं। यह बंगला पहले सीनियर कैबिनेट मंत्रियों या आयोग के प्रमुखों को आवंटित होता रहा है।

झारखंड और ओडिशा के लिए रेड अलर्ट जारी

यूपी-बिहार समेत देश के 20 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 19 से 22 जून के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान, बिहार, झारखंड, ओडिशा में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है। 19, 22 और 23 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए ओडिशा और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की तरफ से जारी किए गए पूर्वानुमान के मुताबिक, बिहार में भारी बारिश होगी। 19-20 जून को झारखंड में मूसलाधार बारिश हो सकती है। 19-24 जून के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। 19 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में झमाझम बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 19-24 जून के दौरान उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। 22 को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद तो 20-23 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। अगले 2 दिनों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है और उसके बाद कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

उत्तर प्रदेश में मानसून पहुंचने के बाद भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को आधिकारिक रूप से उत्तर प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में पहुंच गया, जो 13 जून की अपनी सामान्य तिथि से पांच दिन देरी से पहुंचा। अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का पूर्वानुमान है। कुल मिलाकर यूपी में अगले तीन दिन तक बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं।

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले 2-3 दिनों में मानसून के पहुंचने की संभावना है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो से तीन दिनों में मानसून के पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को राज्य के कुछ स्थानों पर भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट और शुक्रवार को कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में शुक्रवार और शनिवार को बारिश हो सकती है। राज्य में मानसून समय से पहले पहुंच सकता है।

जिम का कोई भी लाभ नगरवासियों को नहीं मिल रहा

ज़िला मुख्यालय में खनिज न्याय निधि का हो रहा जमकर दुरुपयोग

बालोद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय में विभिन्न विकासपरक कार्यों एवं जनसुविधा के नाम पर जिला खनिज न्यास निधि से स्वीकृत राशि का नगरपालिका प्रशासन द्वारा जमकर दुरूपयोग किया जा रहा है। वर्तमान नगरपालिका कार्यालय भवन के समीप स्थित संजारी क्लब के उपर माले के एक स्टोरनुमा कमरे को लगभग 26 लाख रूपए की लागत् से एक व्यायाम शाला का रूप दिया गया है। 26 लाख रूपयों की लागत् से पालिका प्रशासन द्वारा बनाए गए जिम का कोई भी लाभ नगरवासियों को नहीं मिल रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के कार्यकाल में नगर में विकास कार्य के लिए लाखों-करोड़ों रूपए जिला खनिज न्यास निधि से स्वीकृत किया गया था जहां नगरपालिका प्रशासन द्वारा उक्त राशि में से 24 लाख 69 हजार रूपयों से आधुनिक व्यायाम उपकरण की खरीदी किए जाने तथा संजारी क्लब में सीसीटीवी एवं शेष राशि से एक स्टोररूमनुमा कमरे को जिम का रूप प्रदान करने का कार्य किया गया है। आधुनिक व्यायाम उपकरण खरीदी किए जाने तथा एक कमरे को व्यायाम शाला तो बनाया गया लेकिन लगभग चार से पांच माह बीत जाने के पश्चात् आज तक जिम का शुभारंभ नहीं किया गया जा सका है। देखरेख नहीं होने के साथ ही व्यायाम उपकरणों का कोई उपयोग नहीं होने से लाखों रूपयों का व्यायाम उपकरण कबाड़ के रूप में पड़ा हुआ है वहीं स्टोर रूम धीरे धीरे और जर्जर होते जा रहा है। टीन शेड अनेक स्थान पर सड़ चुका है जिसके कारण बरसात का पानी नीचे गिरने लगा है। पानी से टीन शेड के नीचे लगाए गए शोपीस का प्लास्टर नीचे गिरने लगा है वहीं आगामी दिनों में होने वाली बारिश से व्यायाम उपकरण भी खराब होना निश्चित है। उल्लेखनीय है कि इसी के साथ ही जिला खनिज न्यास निधि से स्वीकृत लगभग 20 लाख रूपयों की लागत् से नगरपालिका प्रशासन द्वारा नगर के गंगासागर तालाब के लिए बोट खरीदी एवं तालाब में म्यूजिकल फाउंटेन लगाया गया है जो चार से पांच माह के पश्चात् भी अब तक प्रारंभ नहीं हो पाया है। कुछ माह में ही जिला खनिज न्यास निधि से स्वीकृत राशि एवं उनसे किए गए कार्यों की जांच होने पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों में करोड़ों रूपयों का घोटाला सामने आएगा। उल्लेखनीय है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास एवं आम जनता के लिए सुविधापरक विक ास कार्यों के लिए प्रदेश में जिला खनिज न्यास निधि योजना का संचालन किया जाता है लेकिन बालोद जिला मुख्यालय में उक्त योजना विभाग से जुड़े चंद अधिकारियों तथा चंद जनप्रतिनिधियों के लिए एक सफ्ल, सुरक्षित,कमाऊ योजना बन गया है। विभिन्न विकासपरक कार्यों के नाम पर कुछ ही समय में लाखों करोड़ों रूपयों का वारा न्यारा करने में लगे हुए हैं जो कि आमजनता के हितों को देखते हुए एक गंभीर जांच का विषय है।

संक्षिप्त समाचार

गोद भराई कार्यक्रम में शामिल हुई पार्षद अनीता सरजू साहू, आंगन बाड़ी को चार नग कुर्सी प्रादन किया

पाटन। आंगन बाड़ी केंद क्रमांक 04 पाटन में गुरुवार को गोदभराई कार्यक्रम आयोजित हुआ । इस कार्यक्रम में वॉर्ड क्रमांक 06 के पार्षद अनीता सरजू साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने आंगन बाड़ी केंद को 4 नग कुर्सी वितरण किया गया,, इस मौके पर वॉर्ड क्रमांक 06 के पार्षद अनीता सरजू साहू, आंगन बाड़ी कार्यकर्ता शिव कुमारी भोई, सहायिका हीरा कुमारी देवांगन, आरती छेदइया मितानिन, रेखा यादव, विमला विश्वकर्मा, निर्मला यादव, प्रमिला यादव, रोमा नेताम, बबली, जाम बाई नेताम, जया ढीमर सहित अन्य उपस्थित रही

जामगांव एम चंद्राकर समाज भवन में बनेगा किचन शेड और शौचालय, जनप्रतिनिधियों ने किया भूमिपूजन

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम जामगांव एम में चंद्राकार समाज के भवन में किचन शेड और शौचालय निर्माण होगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों ने भूमि पूजन किया भवन निर्माण भूमि पूजन के अवसर पर मुख्य रूप से जिला पंचायत दुर्ग के सभापति श्रीमती नीलम चंद्राकार थे। अध्यक्षता चंद्राकर समाज जाम गांव एम के सदस्य राकेश चंद्राकर ने की। विशेष अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष भाजपा कमलेश चंद्राकर, जनपद सदस्य संतोषी ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य हर्षा चंद्राकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष लोक मणि चंद्राकर, सरपंच श्रीमती तुलसी रोहित सिंहा मौजूद थे । इस अवसर पर अमित चंद्राकर, जितेंद्र सेन, भेष नारायण चंद्राकर, कमल नारायण चंद्राकर, अशोक चंद्राकर सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानपाठक का उद्देश्य रहा सराहनीय, स्कूल में लगवाया टाइल्स

साजा (समय दर्शन)। समीपस्थ शासकीय प्राथमिक शाला सुवरतला प्रधान पाठक बसन्त कौशिक प्रधान की कामकाज को लेकर आमजनों एवं क्षेत्रवासियों में हर्षोल्लास का विषय बना हुआ है। प्रधान पाठक कौशिक ने स्वयं के व्यय से स्कूल को एक नया आयाम दे रहा है। इन्होंने खुद के लागत से शासकीय प्राथमिक शाला सुवरतला में टाइल्स लगवाने, सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न प्रकार की शिक्षण गतिविधि पेंटिंग का काम किया है। जिससे स्कूल का सौंदर्य आकर्षकमय हो गया है। बसंत कौशिक लगातार शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए अनेकों प्रयास में लगे हुए हैं। सरकारी स्कूल का कायाकल्प करने का संकल्प इनके द्वारा लिया गया है। भविष्य में हर कक्षा में डिजिटल ब्लैक बोर्ड यानी टीवी प्रस्तावित हैं। जिसे आगामी वर्षों तक पूर्ण करने एवं कराने का लक्ष्य रखा गया है। शाला परिवार सुवरतला समेत क्षेत्रवासियों की ओर से प्रधानपाठक बसंत कौशिक को धन्यवाद प्रेषित किया जा है।

शासकीय पशु चिकित्सकों की लचर कार्यप्रणाली पर विहिप-बजरंग दल ने जताया आक्रोश, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गौवंशों के इलाज में लापरवाही और शासकीय दायित्वों की अनदेखी को लेकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कलेक्टर पुष्पेन्द्र सिंह भूरे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पशु चिकित्सालय राजनांदगांव में कार्यरत चिकित्सकों द्वारा ड्यूटी समय में फील्ड में उपस्थित न रहकर निजी प्रैक्टिस में लिप्त रहने पर गहरी आपत्ति जताई गई।

विहिप जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्निहोत्री और बजरंग दल जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मांग की कि शासकीय चिकित्सक यदि गौवंशों के इलाज में उदासीनता बरतते हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कई बार गौसेवकों और पशुपालकों द्वारा मदद मांगे जाने के बावजूद डॉक्टर प्रक्रिया का हवाला देकर इलाज से मुंह मोड़ लेते हैं,

जिससे गंभीर रूप से बीमार गौवंशों की जान पर बन आती है। ज्ञापन में स्पष्ट चेताया गया है कि यदि भविष्य में भी इस प्रकार की लापरवाही व असहयोग की स्थिति बनी रही, तो संगठन बाध्य होकर विभाग का घेराव और आंदोलन करेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में विहिप जिला संपर्क प्रमुख लाल मुनाई सिंह, बजरंग दल विभाग सह संयोजक सुनील सेन, नगर मंत्री नवीन अग्रवाल, जिला सह संयोजक अंशुल कसार, जिला गौ रक्षा प्रमुख विकास जांगिड़, सेवा प्रमुख राज तंवर, नगर संयोजक प्रिंस प्रशांत हाथीबेड़, नगर सह संयोजक गौरव शर्मा, नगर गौरक्षा प्रमुख प्रणय मुल्लेवार, गौसेवक सन्मय श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता शामिल रहे। संगठन ने प्रशासन से गौवंशों के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए पशु चिकित्सकों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने की मांग की है।

चाकू और डंडे से वार कर युवक को उतारा मौत का घाट, तीन आरोपी को आजीवन कारावास की सजा, चार साल पहले आंवला बगीचा लोहरसी में हुई थी घटना

पाटन (समय दर्शन)। पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम लोहरसी में स्थित आंवला बगीचा में आज से करीब चार साल पहले एक युवक की पीटकर और चाकू से हमला कर तीन लोगों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिसका इलाज के दौरान पाटन अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना किया। इस मामले पर अपर सत्र न्यायालय पाटन के न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई हैं । मतृक के परिजन की तरफ से अतिरिक्त शासकीय लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की। जानकारी के मुताबिक 22 मई 2022 को पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम लोहरसी और रवेली के पास स्थिति आंवला बगीचा में। पुरैना भिलाई 3 निवासी अजय कुमार गौतम को खून से लतपथ पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने पाटन अस्पताल लाया जहां पर उसका इलाज के दौरान मौत हो गया। इसके बाद पुलिस हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू किया। कई लोगों से पूछताछ किया। ग्राम पंचायत घुघवा में लगे सीसी टीवी से काफी अहम सुराग मिला। पुलिस इसी सुराग के साथ तह तक पहुंची। परिजनों ने भी कुछ लोगों पर संदिग्ध होने का आरोप लगाए। इसके बाद पुरैना भिलाई 3 के ही रहने वाले नरेंद्र ध्रुव, प्रकाश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पड़ताल शुरू किया। जिसमें आरोपियों ने अपना अपराध कबूल किया। इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश पाटन दुलार सिंह निर्मलकर ने तीनों आरोपियों को आजीवन कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामले में अतिरिक्त लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की।

समितियों में किसानों को सहज रूप से मिले खाद-बीज - कलेक्टर

एसडीएम ने किया सहकारी समितियों का निरीक्षण

मुंगेली(समय दर्शन) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप किसानों को समय पर और सुगम तरीके से कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में सहकारी समितियों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल ने मुंगेली विकासखंड अंतर्गत चकरभाठा एवं टेढ़ाधौरा सहकारी समितियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद-बीज के भंडारण, वितरण व्यवस्था तथा किसानों को होने वाली संभावित समस्याओं की जानकारी ली गई।

एसडीएम श्रीमती पटेल ने समिति प्रबंधक एवं प्रभारी को खाद वितरण कार्य में पारदर्शिता और सुगमता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को समय पर और बिना किसी परेशानी के आवश्यक खाद एवं बीज प्राप्त हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी जरूरतों और सुझावों को भी जाना। किसानों ने समिति की व्यवस्था पर संतोष जताया। इस अवसर पर जनपद पंचायत मुंगेली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं तहसीलदार भी उपस्थित रहे।

शाला प्रवेश उत्सव 2025: जुनवानी में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

मुंगेली (समय दर्शन) गुरुवार को नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला जुनवानी, संकुल एवं विकासखंड पथरिया, जिला मुंगेली में शाला प्रवेश उत्सव बड़े ही उल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य कोमल किशोर साहू रहे तथा ग्राम पंचायत जुनवानी की सरपंच अमृत अजय वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जिसमें उन्हें तिलक एवं गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं के नवप्रवेशी विद्यार्थियों को निःशुल्क नवीन पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

उत्सव के उपरांत मध्याह्न भोजन में बच्चों को खीर, पूरी आदि व्यंजन परोसे गए, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया।

इस गरिमामय अवसर पर गजानन प्रसाद सिंगरौल (भ्रष्ट), कोमल किशोर साहू, अजय वर्मा, किशन वर्मा, ममता सिंह ठाकुर, सरिता श्रीवास, सालिक राम जायसवाल, सीता साहू, देवदत्त प्रसाद द्विवेदी, सुंदरलाल मनहर, संतोष कुमार कंवर, ममता मानिकपुरी, सुरेखा वैष्णव, ईश्वर प्रसाद साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं पालकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना एवं विद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ाना रहा, जो पूर्ण रूप से सफल रहा।

स्कूल सफाई कर्मचारी संगठन ने बी ई ओ पाटन की सौंपा ज्ञापन, मांग पूरी नहीं हुई तो हड़ताल पर जाने की दो चेतावनी

पाटन। स्कूल सफाई कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी और सदस्यों ने आज अपनी सिर्फ दो मांगों को लेकर बी ई ओ पाटन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पिछले 15 वर्षों से 43301 स्कूल सफाई कर्मचारी कार्यरत है। केवल दो घंटा कार्य करना निर्धारित है परंतु अधिकांश स्कूलों में भृत्य और चपरासी नहीं होने के कारण उनके सभी काम स्कूल सफाई कर्मचारियों को करना पड़ता है। इस प्रकार पूरा दिन स्कूलों में व्यतीत करना पड़ता है। काम के एवज में प्रतिमाह 3000 से 3400 मानदेय भुगतान किया जाता है। जो कि इस महंगाई भरे दौर में कितने कम रुपए में अपने परिवार का भरण पोषण नहीं हो पाता।

संघ की मांगों को पूरा किए जाने को लेकर पिछले 15 वर्षों से संघर्षरत है। 2023 विधानसभा चुनाव के पूर्व भारतीय जनता पार्टी के द्वारा घोषणा पत्र में 50ब मानदेय में वृद्धि का वादा किया गया था साथ ही पूर्ण कालीन

कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान के लिए आश्वासन दिया गया था।

जो की भारतीय जनता पार्टी भाजपा की सरकार को 18 माह बीत जाने के बाद भी घोषणा पत्र का वादा और संघ की मांग पूरी नहीं होने पर संघ के कर्मचारियों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है। इसलिए 10 जून हड़ताल धरना प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री स्कूल शिक्षा सचिव संचालक के नाम पर ज्ञापन सौपे है। मांग पूरी नहीं होने पर प्रदेश के स्कूल सफाई कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल में जाने के लिए बाध्य होंगे।

संघ की मांग :-

(1) पूर्ण कालीन कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान किया जाए।

(2) युक्ति युक्तकरण के तहत जिस स्कूल का समायोजन दूसरे स्कूलों में किया जा रहा है उसी प्रकार स्कूल सफाई कर्मचारी सदस्यों का भी समायोजन किया जाए।

'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत छपरवा में लगा जनसमस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने चौपाल लगाकर सुनी बैगा आदिवासियों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) जनजातीय समुदाय के समग्र विकास को लेकर केंद्र और राज्य शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के सुदूर वनांचल ग्राम छपरवा में शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने चौपाल लगाकर बैगा आदिवासियों की समस्याएं सुनीं और विभिन्न विभागों को त्वरित समाधान हेतु निर्देश दिए। शिविर में कलेक्टर ने ग्रामीणों से पेयजल, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधार, राशन, पेंशन, वनाधिकार पट्टा, शौचालय, आवास सहित लगभग 25 कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी जानकारी ली और उनकी क्रियान्वयन की स्थिति जानी।

शिवतराई क्षेत्र में 24 घंटे 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश- कलेक्टर ने पेयजल की समस्या को प्रमुखता से लेते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और बिजली व्यवस्था के लिए क्रेडा विभाग को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिवतराई क्षेत्र में 24 घंटे 108 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने एवं एटीआर क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में मौसमी बीमारियों एवं विषैले जीव-जंतुओं के काटने पर

उपचार हेतु दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को मितानिनों के साथ सतत संवाद बनाए रखने की अपील भी की। कलेक्टर ने बैगा आदिवासियों से एटीआर क्षेत्र से विस्थापन के संबंध में भी चर्चा करते हुए वन विभाग को संवेदनशीलता के साथ आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि एटीआर क्षेत्र की सभी स्कूलों में युक्तियुक्तकरण के तहत पर्याप्त शिक्षक पदस्थ कर दिए गए हैं। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और मिशन 90 प्लस अभियान में छात्र-छात्राओं को स्थान दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही बैगा आदिवासियों को शासन की योजनाओं से जागरूक करने रेडियो भी उपलब्ध कराने की बात कही।

एसपी ने बाल विवाह से बचाव एवं शिक्षा और नशामुक्ति के लिए किया जागरूक- पुलिस अधीक्षक ने बैगा समुदाय को मच्छरदानी का नियमित उपयोग, जमीन पर न सोने, जूते-चप्पल झाड़कर पहनने, बाल विवाह से बचाव एवं शिक्षा और नशामुक्ति जैसे विषयों पर जागरूक किया। कलेक्टर-एसपी ने आदिवासी बैगाओं के बच्चों को दुलार भी किया और टाफ्मिां प्रदान कर शुभाशीष दिया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में हितग्राहियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय, एसडीएम लोरमी अजीत पुजारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में बैगा आदिवासी उपस्थित रहे।

पहले पंजीयन विभाग ने प्रदेश के 33 जिलों में जमीन की प्रचलित दर का सर्वे पूरा कर लिया

छत्तीसगढ़ में 1 जुलाई से बढ़ सकती है जमीन की कीमत

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में जमीन की कीमत जल्द ही बढ़ने वाली है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 1 जुलाई से जमीन गाइड लाइन की नई दर लागू होने वाली है। इससे पहले पंजीयन विभाग ने प्रदेश के 33 जिलों में जमीन की प्रचलित दर का सर्वे पूरा कर लिया है। फ्लिहाल मूल्य का विश्लेषण जिलेवार और क्षेत्रवार किया जा रहा है। इस काम में पिछले कुछ महीनों में हुई देर की वजह से नई गाइड लाइन जारी करने में विलंब हुआ है। खास बात ये है कि राज्य में आठ साल बाद नई दरें लागू होने जा रहीं हैं।

किसानों को होगा सबसे अधिक फायदा

नई दरें आने से किसानों को सबसे अधिक फायदा होगा। दरअसल राज्य में सबसे अधिक जमीनें किसानों के पास ही है। किसी भी उपयोग के लिए सरकार द्वारा जो अभी जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है उसका मुआवजा मौजूदा गाइडलाइन दर पर होता है। जबकि किसानों की रोड से लगी जमीनों की असली कीमत गाइड लाइन से 10-10 गुना तक अधिक है। अब सरकार किसान की जमीन लेगी तो उसे भी नई दरों के हिसाब से मुआवजा देना होगा।

कच्चे का काम होगा बंद

जमीनों के सौदे के मामले में माना जाता है कि अधिकांश बड़ी टाउनशिप, कालोनियों के निर्माण के दौरान बिल्डर गाइडलाइन रेट के बजाय अपने हिसाब से जमीन की कीमत ग्राहक से वसूलते हैं और अंतर की राशि कच्चे में ली जाती है। यानी कम कीमत की जमीन का मूल्य अत्याधिक बढ़ाकर बिल्डर पैसा वसूलते हैं। अब नई दरें आने से इस काम में कमी होगी

पंजीयन से मिले हैं 2900 करोड़ दूसरे राज्यों से बेहद कम

छत्तीसगढ़ को पंजीयन से पिछले वित्तीय वर्ष में 2900 करोड़ रुपए मिले हैं। लेकिन अगर महाराष्ट्र में देखा जाए तो वहां पंजीयन से सरकार को 40 हजार करोड़ रुपए मिलते हैं। कर्नाटक में 30 हजार करोड़ रुपए और पड़ोसी मप्र की बात करें तो अकेले इंदौर शहर से 3 हजार करोड़ रुपए मिलते हैं।

मिलेगा अधिक राजस्व

नई दरें लागू होने से सरकार को पंजीयन से मिलने वाले राजस्व में बढ़ोतरी होना तय है। अगर पूरे राज्य में औसत 20 प्रतिशत रेट बढ़ा तो सरकार के खजाने में जाहिर है अधिक राशि आएगी। क्योंकि तब रजिस्ट्री बढ़ी हुई दरों पर होगी। इसके साथ ही पंजीयन में काले धन की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

कीमत बढ़ना तय

पंजीयन विभाग के जानकार सूत्रों का कहना है कि नई गाइड लाइन दर आने के साथ ही पूरे राज्य में जमीन की कीमत कम से कम 10 प्रतिशत 15- या 20 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। कुछ खास इलाकों में यह दर 25 प्रतिशत तक भी अधिक होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जमीनों के मूल्य के सर्वे के दौरान अधिकारियों को मालूम हुआ है कि किस क्षेत्र में जमीन का प्रचलित मूल्य क्या है। इसी आधार पर नए रेट बनेंगे। रायपुर के 50 किलोमीटर के दायरे (रेडियस) में जमीन सबसे अधिक महंगी होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के कई जिले में भारी बारिश की चेतवानी

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की जनता को भीषण गर्मी से राहत मिल गई है। भले ही प्रदेश में बारिश ना हो रही हो, लेकिन दिनभर बादल छाए रहने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। बुधवार को भी राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में दिन भर बादल छाए रहने के बाद शाम को भारी बारिश होने की संभावना है। आज रायपुर में गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है। बारिश होने से तापमान में और गिरावट आएगी। आपको बता दें कि, प्रदेश के कई जिलों में शाम होते ही मौसम करवट ले रहा है और बारिश भी हो रही है। वहीं आज यानी बुधवार को छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग ने मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, बालोद, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर समेत अन्य जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है। वहीं आज राजधानी रायपुर में दिन भर बादल छाए रहेंगे और शाम को तेज हवा और गरज के साथ भारी बारिश होगी।

सूने मकान से हजारों रुपए का सामान पार

रायपुर (समय दर्शन)। हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर सहित हजारों रुपए के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया लता शर्मा 54 वर्ष सेक्टर 3 हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर सहित कागजात पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 85 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। आरंग और नेवरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 140 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरंग पुलिस ने ग्राम गुल्लु में दबिश देकर मोटरसाइकिल से अवैध शराब तस्करी करते आरोपी मुकेश कुमार जांगड़े को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 60 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं नेवरा पुलिस ने ग्राम भूमिया राइस मिल के पास से आरोपी अजय पारधी 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 80 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

नौकरी का झांसा देकर 5 .38 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। आजाद चौक थाना क्षेत्र की एक महिला से नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाला आरोपी मुकेश कुमार साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने खुद को एस.ई.सी.एल. में क्लर्क पद पर पदस्थ बताकर महिला को झांसे में लिया और उसे नौकरी दिलाने का झूठा भरोसा दिलाया। यह मामला सितंबर 2024 का है, जब पीड़िता को ऑनलाइन विवाह प्रस्ताव के माध्यम से मुकेश से संपर्क हुआ और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई।

बातचीत के दौरान आरोपी ने महिला को विश्वास में लेते हुए उसे नौकरी लगवाने का झांसा देकर कुल 5,38,000 रुपये अलग-अलग किश्तों में ले लिए। इसके बाद आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर दिया और महिला से संपर्क तोड़ दिया। पीड़िता की शिकायत पर थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 72/25, धारा 318(4) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आजाद चौक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी के मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जानकारी जुटाई। गहन अनुसंधान और सतत प्रयासों के बाद आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार साहू के कब्जे से 25,000 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक प्रक्रिया में शामिल किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में एक बार फिर यह संदेश गया है कि ठगी जैसे अपराधों को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा जवाहर नगर मंडल ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर जवाहर नगर मंडल द्वारा भाजपा की केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धि तक विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम का आयोजन दुलार धर्मशाला बढ़ई पारा रायपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रायपुर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंदी अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा व मंडल प्रभारी अर्चना शुक्ला उपस्थित थी । साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप जघेल द्वारा की गई। मंच का संचालन महामंत्री रमेश शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर द्वारा आज उपस्थित सभी संगठन के प्रमुखों,कार्यकर्ताओं,एवं आम नागरिकों से विकसित भारत 2047 संकल्प पत्र के माध्यम से सभी को शपथ भी दिलवाई उपस्थित सभी भाजपा जिले एवं मंडल के सदस्यों द्वारा मुख्यवक्ता,कार्यक्रम प्रभारी,विशेष अतिथि गणों का पुष्प हार एवं भगवा गमछा पहना कर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता रमेश ठाकुर ने भाजपा की केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल मे सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना केन्द्र की जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ-साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष के दौरान सशक्त भारत सुरक्षित भारत का सपना साकार हुआ है जहां आतंकवादीयो के खिलाफ कठोर और निर्णयक कार्यवाही हो रही है वहीं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सामाजिक शक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा कर भारत ने अपनी सुरक्षा को अटूट बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली और सम्मानित सुरक्षा स्तंभ के रूप में स्थापित किया है

यूको बैंक बीसी क्लब ने कुलदीप निगम वृद्धाश्रम में किया अन्नदान

रायपुर (समय दर्शन)। समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए यूको बैंक बीसी क्लब के सदस्यों ने माना स्थित कुलदीप निगम वृद्धाश्रम में अन्नदान किया। क्लब द्वारा एकत्रित धनराशि से चावल, दाल, तेल, शक्कर, मसाले, चायपत्ती, नमक, साबुन, डिटर्जेंट, टूथपेस्ट, नारियल तेल सहित आवश्यक दैनिक उपयोग की सामग्रियां आश्रम को प्रदान की गईं। इस दौरान क्लब सदस्यों ने वृद्धाश्रम के स्थापना से लेकर अब तक के सेवायात्रा की जानकारी प्राप्त की और बुजुर्गों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका हालचाल जाना। बुजुर्गों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाते हुए सभी सदस्यों ने आश्रम द्वारा की जा रही सेवा की सराहना की और भविष्य में सहयोग देने का संकल्प भी दोहराया।

कार्यक्रम में अजय श्रीवास्तव, एस.के. घोष, जी.एन. दहदकर, एस.एल. पाल, श्रीमती प्रभा प्रधान, राजेन्द्र कुमार निगम, बिमल घोषाल, प्रीति निगम और पारुल चक्रवर्ती विशेष रूप से उपस्थित रहे।

क्लब की इस पहल ने न केवल बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान लाई, बल्कि समाज में सेवा और करुणा की भावना को भी मजबूत किया।

हांडीपारा के किराना दुकान में आबकारी का छापा

मध्यप्रदेश प्रान्त के कई ब्रांडों के शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, 11.25 लीटर विदेशी मदिरा जप्त

रायपुर (समय दर्शन)। आबकारी आयुक्त सह प्रबंध संचालक (सी. एस.एम.सी.एल .) श्याम धावडे, कलेक्टर रायपुर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग जिला रायपुर द्वारा अन्य प्रान्त के अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाहियां जारी हैं। 16 जून को मुखबिर की सूचना पर हांडीपारा रायपुर में एक किराना दुकान में रायपुर के आबकारी टीम के द्वारा छापेमारी कार्यवाही की गई। मौके पर आरोपी कन्हैया लाल लूलिया के आधिपत्य के किराना दुकान से मध्यप्रदेश प्रान्त की 10 नग ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की, 4 नग रॉयल स्टैग व्हिस्की तथा 01 नग रॉयल चौलेंज व्हिस्की कुल 15 नग बोतल अवैध मदिरा मात्रा 11.25 बल्क लीटर जब्त की गई। इस आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36, 59(क) के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया है।

उक्त कार्यवाही टाटीबंध वृत प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी जेबा खान के द्वारा की गई एवं कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर पैकरा, आबकारी उपनिरीक्षक विक्रम सिंह, आबकारी आरक्षक पोखराज शांडिल्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय योग दिवस का आयोजन

कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में सभी व्यवस्था करने के दिए निर्देश

रायपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रास सभा कक्ष में समय सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी पूरी कर ली जाए। प्रत्येक नगरीय निकाय, जनपद, तहसील, ऐतिहासिक, सार्वजनिक, धार्मिक महत्व के स्थल, अमृत सरोवर तथा अन्य निर्धारित स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। इसमें स्कूल के बच्चों के साथ एनसीसी एवं एनएसएस के कैडेट, जनप्रतिनिधि तथा आमजन भी शामिल होंगे।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष की थीम योग: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य पर आधारित है । जिसके अंतर्गत राज्य जिला जनपद नगर मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत स्तरों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संदेश का वाचन किया जाएगा।

आयोजक संस्था शासकीय निजी एवं अन्य व्यक्तिगत रूप से योग करने वाले व्यक्ति को आयुष विभाग के पोर्टल https□//yoga.ayush.gov.in पर पंजीयन किया जाना है।

कलेक्टर डॉ सिंह ने समय सीमा के बैठक में अधिकारियों को लंबित राजस्व प्रकरण के निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हिट एंड रन प्रकरण में राजस्व और पुलिस विभाग को समन्वय कर निराकरण करने निर्देशित किया।

इस बैठक में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, डीएफओ लोकनाथ पटेल तथा जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नगर निगम राजस्व विभाग की वेबसाइट अपडेट नहीं होने से करदाताओं को टैक्स पटाने में हो रही परेशानी

रायपुर। रायपुर नगर निगम में राजस्व विभाग की बेवसाइट अपडेट नहीं होने के कारण इन दिनों करदाताओं को बाजार विभाग से संबंधित कर एवं गोमास्ता लाइसेंस सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे है। पिछले दो माह से नगर निगम के सभी जोन कार्यालयों में कामकाज प्रभावित है। नगर निगम जोन कार्यालयों में स्थित ग्राहक सेवा केंद्रों में भी पदस्थ कर्मियों द्वारा इस संबंध में किसी प्रकार की जानकारी करदाताओं को प्रदाय नहीं की जा रही है। इस संबंध में राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक एमआर धीवर एवं सहायक राजस्व निरीक्षक महेंद्र वर्मा से प्रतिनिधि द्वारा इस संबंध में अनेकोंबार पूछताछ की गई। दोनों अधिकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि ऊपर से आदेश नहीं है इसके साथ केवल नगर निगम जोन कार्यालय 4 में नहीं अपितु किसी भी जोन कार्यालय में गोमास्ता लाइसेंस एवं अन्य कार्य नहीं हो रहे हैं।

आदिवासी गांवों की तरक्की को मिलेगी नई रफ्तार

दंतेवाड़ा में शुरू हो रही कोल्ड स्टोरेज की बड़ी सुविधा

रायपुर (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा जिले में खेती और जंगल से मिलने वाली उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने और किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य दिलाने के लिए एक बड़ी शुरुआत की जा रही है। जिले के पातरास गांव में केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पहली बार एक ऐसा आधुनिक केंद्र बनाया जा रहा है जहां कोल्ड स्टोरेज, खाद्यान्न और वनोपज को खराब होने से बचाने के लिए रेडिएशन जैसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। यह कार्य प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत हो रहा है। यह पूरे देश में सरकारी स्तर पर बनने वाली अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस परियोजना से बस्तर की तस्वीर बदलेगी।

अब उपज नहीं होगी बर्बाद, बढ़ेगी आमदनी- बस्तर क्षेत्र में इमली, महुआ, जंगली आम, देशी मसाले और मोटे अनाज जैसे बाजरा जैसी उपज होती है। लेकिन सही तरीके से उन्हें संरक्षित रखने और बेचने की सुविधा नहीं होने से हर साल 7 से 20 प्रतिशत उपज खराब हो जाती है। अब जो सुविधा बन रही है, उसमें कोल्ड स्टोरेज, फ्रीजर, रेडिएशन मशीन, और सामान ढोने के लिए बड़े ट्रक होंगे। इससे ये चीजें लम्बे समय तक सुरक्षित रखी जा सकेंगी। उत्पादों का टिकाऊपन बढ़ेगा, बर्बादी रुकेगी और किसानों को ज्यादा दाम मिलेंगे।

क्या-क्या होगा इस सुविधा में- इस परियोजना की लागत करीब 25 करोड़ रुपये है और इसे जिला परियोजना आजीविका कॉलेज सोसायटी चला रही है। यह संस्था खासतौर पर आदिवासी इलाकों में रोजगार बढ़ाने के लिए बनी है। पातरास गांव में बनने वाली इस परियोजना में 1500 मीट्रिक टन की क्षमता वाला कोल्ड स्टोरेज, 1000 मीट्रिक टन का प्रोजन स्टोरेज, 5 छोटे-छोटे कोल्ड रूम,फ्लों को जल्दी ठंडा करने के लिए ब्लास्ट फ्रीजर,पकने वाली चीजों के लिए अलग चौंबर,रेडिएशन मशीन जिससे चीजें लंबे समय तक खराब न हों, सामान ले जाने वाले 3 बड़े ट्रक तथा बिजली बचाने के लिए 70 किलोवॉट का सोलर सिस्टम लगेगा। यह सुविधा हर साल 10 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा उपज को सुरक्षित रखने में मददगार साबित होगी और इसका फायदा दंतेवाड़ा के अलावा बस्तर, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव और नारायणपुर जैसे जिलों के किसानों और वनोपज संग्राहकों को मिलेगा। इस परियोजना के लिए 10 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की योजना से तथा 14.98 करोड़ रुपये जिला खनिज निधि से व्यय किये जायेंगे। अब तक इस तरह की प्रोजेक्ट के ज्यादातर काम निजी कंपनियों ने किए हैं, लेकिन पहली बार सरकार खुद ऐसी सुविधा बना रही है, जिससे आदिवासी इलाकों में सरकारी योजनाओं के भरोसे को भी मजबूती मिलेगी।

रोजगार और आमदनी में होगा इजाफा- इस सुविधा से प्रतिवर्ष लगभग 8.5 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। इसका सीधा फायदा किसानों, वनोपज संग्रहणकर्ताओं और स्थानीय युवाओं को मिलेगा, क्योंकि यहां काम करने के लिए लोगों की जरूरत होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ेगा और कई लोगों को अपने गांव में ही रोजगार मिल सकेगा। यह पहल वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों में स्थायी रोजगार और शांति की दिशा में भी मददगार साबित होगी।

जल्द ही होगा काम शुरू, तैयार है बाजार- इस सुविधा के लिए जमीन मिल चुकी है और रेडिएशन तकनीक देने वाली संस्था बीआरआईटी के साथ समझौता भी हो चुका है। काम पूरा होने में करीब 24 महीने लगेंगे, यानी 2 साल में सुविधा पूरी तरह शुरू हो जाएगी। प्रशासन ने रायपुर और विशाखापत्तनम जैसे बड़े शहरों में बाज़ार भी तैयार कर लिए हैं, जहां से बस्तर के बने प्रोडक्ट्स को देश-विदेश में भेजा जाएगा। खास बात ये है कि बस्तर के नाम से खास ब्रांड तैयार करने की योजना भी बन रही है, ताकि यहां के उत्पादों की पहचान अलग बने और ज्यादा दाम मिल सके।

संपादकीय

चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग के आरोप में लिखे लेख पर चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया। कहा कि अनुकूल चुनाव परिणाम न मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका है। गांधी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्ल्यूप्रिंट था, जो बिहार में होने वाले चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने लिखा, मैच फिक्स किए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वह भले ही जीत जाए मगर इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है। आयोग ने अपने बयान में कहा, कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि हजारों प्रतिनिधियों को बदनाम और लाखों कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। राहुल ने आयोग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा- आप संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर वाले, टालमटोल वाला नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। हालांकि राहुल को आरोपों के पुख्ता सबूत देने के प्रयास भी करने चाहिए। महाराष्ट्र के मतदाताओं में 8त्न की वृद्धि पर कांग्रेस ने उसी वक्त आपत्ति दर्ज की थी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चुनाव में करारी हार को विपक्ष गले नहीं उतार पा रहा। इसलिए आरोप गढ़ कर मोदी सरकार को बदनाम करने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित संवैधानिक निकाय होने के बावजूद मोदी सरकार के विभिन्न निर्णयों के बाद कई मौकों पर विवादों में आता रहा है। स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव का दारोमदार अंततः आयोग पर होता है। मगर पूर्व में चुनाव आयुक्त रह चुके सुकुमार सेन, टीएन शेषन और जेएम लिंग्दोह की तरह कोई भी संस्था की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने में सफल नहीं हो सका। बात भाजपा नेताओं के सांप्रदायिक भाषणों की हो, इलेक्टोरल बॉन्ड या वोट संख्या की बजाय प्रतिशत जारी करने की, बार-बार आयोग पर पक्षपाती होने का आरोप लगा जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। उसे पक्षपाती नहीं होना चाहिए। नियमों की अनदेखी या उपेक्षा पर सभी दलों को फटकार लगाने और जवाबतलबी में संकोच नहीं करना चाहिए। राजनेताओं के तरीके बदल रहे हैं। वे वोट के लोभ में असंवैधानिक और निंदनीय भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वोट प्राप्ति के लिए दांव-पेंच करते हैं जिस पर आयोग को कड़ी आपत्ति करनी चाहिए।

भारत में तकनीकी वस्त्र का बढ़ता दायरा: एनटीटीएम और पीएलआई ने बदली तस्वीर

गिरिराज सिंह

कुछ साल पहले, तकनीकी वस्त्रों को एक सीमित खंड के रूप में देखा जाता था। इसका दायरा सीमित था, इसमें कम निवेश किया जाता था और आयात पर यह बहुत अधिक निर्भर था लेकिन आज, यह भारत के औद्योगिक परिवर्तन के केंद्र में हैं। यह बदलाव आकस्मिक नहीं है। यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप अपनाई गई रणनीति, नीतिगत दूरदर्शिता और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का परिणाम है। चाहे कोविड-19 संकट के दौरान पीपीई उत्पादन को बढ़ाना हो, स्वदेशी सुरक्षात्मक गियर के साथ सशस्त्र बलों को सुसज्जित करना हो या ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति करना हो, तकनीकी वस्त्रों ने राष्ट्रीय तैयारियों और औद्योगिक प्रगति के कारक के रूप में अपनी भूमिका का प्रदर्शन किया है।

श्रेष्ठ से रणनीतिक तक: नीतिगत अनिवार्यता- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) की समीक्षा बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण क्षण तब आया, जब मुझे इसरो के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ से बातचीत करने का अवसर मिला। उन्होंने कार्बन फाइबर, अल्ट्रा-हाई मॉलिक्यूलर वेट पॉलीइथिलीन और नायलॉन 66 जैसे उच्च प्रदर्शन वाले एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक सामग्री की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित किया। उनका संदेश स्पष्ट था: भारत को इस क्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता को कम करने के लिए और हमारी वैज्ञानिक उन्नति के अगले स्तर के मार्ग को प्रशस्त करने के लिए इन क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए। इस बातचीत के दौरान प्रयोगशालाओं से लेकर लॉन्चपैड तक भारत की विकास गाथा में तकनीकी वस्त्रों के रणनीतिक महत्व को भी रेखांकित किया गया।

लैब से लेकर लॉन्चपैड व युद्ध के मैदान तक- रक्षा क्षेत्र ने भी इस परिवर्तन के रणनीतिक मूल्य को महसूस करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए हाल ही में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर को लें, जहां सुरक्षात्मक कपड़ों और बैलिस्टिक गियर से लेकर छलावरण वाले कपड़ों और रासायनिक-जैविक सुरक्षा सूट तक तकनीकी वस्त्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चूंकि हमने घरेलू क्षमता निर्माण में जल्दी निवेश करना शुरू कर दिया था, इसलिए आज हम अपने रक्षा क्षेत्र को न केवल जनशक्ति के साथ, बल्कि वैश्विक मानकों को पूरा करने वाली सामग्री के साथ मदद पहुंचाने में सक्षम हैं, जिसे भारतीय धरती पर विकसित और निर्मित किया गया है।

तकनीकी वस्त्रों को समझें- तकनीकी वस्त्र वे विशेष प्रकार के कपड़े होते हैं, जो सौंदर्य की बजाय कार्यक्षमता के लिए बनाए जाते हैं जिन्हें अक्सर जीवन रक्षक या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के तहत कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें बुलेट-प्रतिरोधी जैकेट, अग्निरोधी वर्दी, सर्जिकल गाउन, किसानों के लिए एंटी-बैक्टीरियल शीट, सड़क-सुदृढ़ीकरण जियो-ग्रिड और बहुत कुछ शामिल हैं। यह क्षेत्र जियोटेक, मेडिटेक, प्रोटेक, एग्रोटेक और बिल्डटेक सहित 12 प्रमुख खंडों में फैला हुआ है। 2024 तक, भारत के तकनीकी वस्त्र बाजार का मूल्य 26 बिलियन अमरीकी डॉलर था। हम 2030 तक 40-45 बिलियन अमरीकी डॉलर को छूने की राह पर हैं, जो 10-12 प्रतिशत की आकर्षक वार्षिक दर से बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर तकनीकी वस्त्र, कुल कपड़ा उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत है।

धर्म का एक दशक : मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फवास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था।

इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुन: प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था।

यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है। इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर शहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और मन की बात के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। विकास भी, विरासत भी के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है।

इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं।

राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फएक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

ईरान पर इसराइल का मिसाइलों से हमला, मध्य एशिया में तबाही संकेत?

अजय दीक्षित

13 जून को जब ईरान की राजधानी तेहरान में सुबह 7 बजे इजरायली मिसाइलों और ड्रोन के हमलों से लगभग 1000 वर्ग किलोमीटर में भीषण विस्फोट हुए।इन हमलों में 78 सेना के कमांडर और कई वैज्ञानिक मारे गए।यह संयोजित हमला था।तेल अबीब में इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह हमला हमने किया है और इस तरह के और भी हमले इसराइल ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम को नेस्तानाबूद करने के लिए करता रहेगा जब तक कि पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता है।दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खुमैनी ने कहा कि इसराइल को खून के आंसू रोने पड़ेंगे।ईरान इसराइल से पूरा बदला लेगा उन्होंने इस हमले को अमेरिका की घृणित नीति बताया है। शुक्रवार की नमाज में ईरान ने नागरिकों की एक जुटाता दिखाई।

मध्य एशिया में अब हालत बहुत खराब होने वाले हैं। आज के हमलों के बाद अंतराष्ट्रीय तेल बाजार में क्रूड ऑयल के दाम आठ फीसदी बढ़ गए हैं क्योंकि ईरान , लीबिया, सीरिया, लेबनान, सऊदी अरब, कतर, यमन, दोहा, कुवैत, इसराइल,इराक क्रूड ऑयल के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं।पूरे विश्व में क्रूड ऑयल इन देशों से निर्यात किया जाता है।

पहले ही विगत डेढ़ साल से हमास और इसराइल युद्ध चल रहा है।हमास पालिस्टिन के शासक है। पालिस्टिन में हालत बहुत खराब है।गाजा में बड़े, बच्चे, बुजुर्ग भूखे मर रहे हैं। लोग अंतराष्ट्रीय राहत सामग्री को लूट रहे हैं और इजरायली सेना की गोलियों का शिकार बन रहे हैं। इसराइल और अमेरिका दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं ताजा मामला में अमेरिका के राष्टपति डॉनल्ड ट्रंप ने कि हमारा इस हमले कोई लेना देना नहीं है। लेकिन अमेरिका ईरान से कहना चाहते हैं कि ईरान को न्यूक्लियर कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना चाहिए।अगर इजरायल का अस्तित्व इससे जुड़ा है तो इज़राइल को विश्वास में लिया जा सकता है

लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खुमैनी इजरायल को सबक सिखाने चाहते हैं। यह लड़ाई अब येरूशलम और मक्का मदीना की बनती जा रही है। मध्य एशिया के देश इज़राइल का स्थाई हल चाहते हैं। क्योंकि फलस्तीन पूरी तरह अपनी जमीन खो चुकी है। अब बस गाजा पट्टी में ही जगह है। ईरान हमेशा से लगभग 45 वर्षों से अमेरिका के खिलाफ है। 16,लाख वर्ग किलोमीटर में फैले इस नौ करोड़ आबादी वाली ईरान को पूर्व में फारस कहते थे। यहां 1800 ईसवी से पहलवी सल्तनत थी और रजा पहलवी शासक थे।1953 में उनका पुत्र अली पहलवी शासक हुआ।1979 में फरवरी में ईरानी क्रांति हुई और इस्लामिक गणराज्य बना ।तेहरान को राजधानी बनाया गया था। वर्तमान सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खुमैनी के पिता अयातुल्ला खुमैनी सर्वोच्च नेता बने। उस दौर में सौ अमेरिका पर्यटकों को बंधक बनाया गया था और एक साल तक नहीं छोड़ा गया था। तत्कालीन राष्टपति जिम्मी कार्टर अगले चुनाव में इसी लिए हार गए थे।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंतत: 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफकी ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफकी ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफको मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफसे एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफका इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफका यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफकी ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफकी ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफके दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है। जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेज़बानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफके बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफकी चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफनई कार्रवाई की मांग की थी। भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफके कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार जानिए फिश एक्वेरियम का महत्व

दिशा और महत्वपूर्ण नियम

वास्तु शास्त्र में घर के वातावरण को सकारात्मक, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाए रखने के लिए कुछ विशेष उपाय बताए गए हैं। उन्हीं में से एक है फिश एक्वेरियम का घर में होना। इसे शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यदि एक्वेरियम को उचित दिशा और नियमों के अनुसार रखा जाए तो यह घर में धन, सुख-समृद्धि और सौभाग्य को बढ़ाता है।

फिश एक्वेरियम का महत्व

<u>नकारात्मक ऊर्जा का शमन :</u> फिश एक्वेरियम में जल तत्व होता है जो मानसिक तनाव को कम करता है और घर की नकारात्मक ऊर्जा को खींच लेता है।

<u>धन और समृद्धि में वृद्धि :</u> चलते हुए पानी और मछलियों की सक्रियता घर में लक्ष्मी का प्रतीक मानी जाती है। इससे घर में आर्थिक वृद्धि होती है।

<u>शुभ संकेत :</u> मछलियों की गति घर में गतिशीलता और विकास का प्रतीक होती है। यदि कोई मछली मर जाए, तो माना जाता है कि वह घर के किसी बड़े संकट को अपने ऊपर ले लेती है।

<u>मन को शांत करने वाला :</u> यह मन को शांति और एकाग्रता प्रदान करता है, जिससे परिवार में मानसिक संतुलन बना रहता है।

किस दिशा में रखें फिश एक्वेरियम

<u>उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) :</u> यह सबसे शुभ दिशा मानी जाती है। इस दिशा में एक्वेरियम रखने से घर में मानसिक शांति, स्वास्थ्य और धन की प्राप्ति होती है।

चमकते बाल पाने के लिए ट्राई करें ये होममेड मास्क

बालों से जुड़ी दिक्कतों से ज्यादातर लोग परेशान हैं। धूप, धूल, पसीने की वजह से हेयर प्रॉब्लम बढ़ने लगती हैं। जहां कुछ महिलाएं झड़ते बालों से परेशान हैं तो वहीं कुछ दो मुंहे व बेजान बालों से परेशान रहते हैं। अगर आप भी बालों की इन समस्याओं से परेशान हैं तो निपटने के लिए यहां बताए हेयर मास्क का इस्तेमाल करें। हेयर रिपेयर और शाइन मास्क को बनाने और लगाने का तरीका बताया है। आप भी इस होममेड मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। सीखिए, बनाने और लगाने का तरीका।

इस मास्क को बनाने के लिए आपको चाहिए

2 बड़े चम्मच अलसी, - 1 मीडियम चुकंदर, - 2 चम्मच अदरक का रस, 1 चम्मच कोल्ड प्रेस्ड नारियल तेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1-2 चम्मच आंवला पाउडर, 2 कप पानी

कैसे बनाएं ये मास्क - इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर को अच्छे से धोकर छील लें और फिर कद्दूकस कर लें। अब पानी में कद्दूकस की हुई चुकंदर और अलसी के बीज डालकर 10 मिनट उबालें। जब जेल बन जाए को छानें और थोड़ा ठंडा होने दें। अब इसमें अदरक का रस, नारियल का तेल, विटामिन ई और आंवला पाउडर दाल कर मिक्स करें। इस मिक्स को फ्रिज में 5-7 दिन तक स्टोर कर सकते हैं।

कैसे अप्लाई करें मास्क - इस मास्क को लगाने के लिए स्कैल्प को साफ करें और सूखे बालों पर इस मास्क को लगाएं। जड़ों से लेकर सिरों तक समान रूप से लगाने के बाद 30-40 मिनट के लिए छोड़ दें।

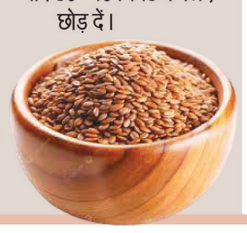

कैसे करें वॉश

इस मास्क के सूखने के बाद बालों को अच्छे से धो लें। ऐसा करने के लिए हल्के हर्बल शैम्पू से का इस्तेमाल करें। चाहें तो कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। धोने के बाद एलोवेरा जेल या हल्के नारियल के दूध के मिस्ट का इस्तेमाल करें।

पेट की गर्मी को दूर करने में मददगार प्राणायाम

भीषण गर्मी और धूप, शरीर के तापमान को तेजी से बढ़ाने का काम करती है। जिससे व्यक्ति को पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे जलन, अपच और पेट में गर्मी परेशान करने लगती है। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए लोग अपनी डाइट में ठंडी तासीर वाली चीजें शामिल करते हैं, लेकिन शरीर को अंदर से ठंडा बनाए रखने के लिए यह उपाय काफी नहीं है। तेज धूप और लगातार पसीना निकलने से शरीर में डिहाइड्रेशन के साथ-साथ पेट की गर्मी भी बढ़ जाती है। योग विशेषज्ञों की मानें तो पेट की गर्मी को कम करने के लिए 3 प्राणायाम की मदद ली जा सकती है। ये 3 प्राणायाम थेरेपी की तरह काम करके शरीर को ठंडा बनाए रखने के साथ गैस, एसिडिटी और पेट की जलन को कम करने में काफी कारगर माने गए हैं। पेट की गर्मी को शांत करने के लिए करें ये प्राणायाम..

● अनुलोम-विलोम प्राणायाम

अनुलोम-विलोम प्राणायाम तनाव के साथ पेट की गर्मी को भी कम करने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह पर बैठकर अपनी दाहिनी नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से सांस लें। फिर बाईं नासिका को बंद करें और दाहिनी से सांस छोड़ें। इस प्राणायाम को लगभग 5-10 मिनट करें।

● चंद्रभेदी प्राणायाम

चंद्रभेदी प्राणायाम पेट की गर्मी को शांत करके शरीर को ठंडा बनाए रखने में मदद करता है। कम रक्तचाप वाले लोगों को इसे करने से बचना चाहिए। चंद्रभेदी प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले दाहिनी नासिका को अंगूठे से बंद करके बाईं नासिका से धीरे-धीरे सांस लें। फिर बाईं नासिका को बंद करें और दाहिनी नासिका से सांस छोड़ें। यह प्रकिया लगभग 7 बार करें।

● शीतली प्राणायाम

शीतली प्राणायाम पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के साथ अनिद्रा की समस्या को दूर करने, शरीर को भीतर से ठंडा बनाए रखने में मदद करता है। शीतली प्राणायाम को करने के लिए सबसे पहले जीभ को नली की तरह मोड़ते हुए उससे धीरे-धीरे सांस लें। अब मुंह बंद करें और नाक से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। इस प्रकिया को 10 बार दोहराएं। इस बात का ध्यान रखें कि सर्दी-जुकाम या गले में खराश महसूस होने पर इस प्राणायाम को करने से बचें।

घी में पायें जाते हैं औषधीय गुण

घी लगभग हर भारतीय रसोई में पाया जाता है। ये सिर्फ खाने के स्वाद और पोषण को ही नहीं बढ़ाता, बल्कि हेल्थ के लिहाज से भी बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में घी को औषधीय गुणों से भरपूर बताया गया है। शरीर के साथ-साथ ये आंखों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। आजकल खानपान में पोषण की कमी होने और स्क्रीन टाइमिंग बढ़ने की वजह से आंखों की समस्याएं वैसे भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अगर आप आयुर्वेद के बताए इस नुस्खे का इस्तेमाल करते हैं तो कई फायदे हो सकते हैं।

आंखों को ठंडक और आराम मिलता है

जब नींद पूरी ना होने की वजह से या ज्यादा समय स्क्रीन के आगे बिताने की वजह से आंखें थक जाती हैं, तो ऐसे में शुद्ध देसी घी आंखों को ठंडक और आराम पहुंचाने में मदद करता है। जब थकी हुई आंखों में देसी घी डाला जाता है, तो इससे आंख के आसपास की गर्मी दूर होती है और आंखों को ठंडक मिलती है। जिससे आंखों में जलन और थकान की समस्या दूर होती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी करता है मदद

आयुर्वेद के अनुसार डेली आंखों में गाय के दूध से बना शुद्ध देसी घी डालने से आंखों की रोशनी भी तेज होती है। दरअसल देसी घी आंखों की नर्व्स को पोषण देता है, जिससे आंखों की वर्क कैपेसिटी बढ़ती है। खासतौर पर जब छोटे बच्चों की आंखों में देसी घी डाला जाता है, तो बढ़ती उम्र के साथ भी उसके आंखों की रोशनी यूं ही बनी रहती है।

आंखों की ड्राइनेस होती है दूर

आजकल बच्चों से लेकर बड़े तक कंप्यूटर और मोबाइल का इस्तेमाल बहुत ज्यादा करने लगे हैं, जिससे स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है। इस वजह से आंखों में ड्राईनेस की प्रॉब्लम भी काफी कॉमन हो गई है। इस समस्या को दूर करने के लिए भी शुद्ध देसी घी का इस्तेमाल किया जा सकता है। दरअसल घी एक नेचुरल मॉइश्चराइजर की तरह आंखों को नमी देता है, जिससे जलन और इचिंग की प्रॉब्लम दूर होती है।

तनाव और सिरदर्द को दूर करने में भी करता है मदद

आंखों में घी डालने से तनाव और सिर दर्द की प्रॉब्लम भी दूर होती है। दरअसल जब हम आंख में घी डालते हैं तो ये मन को भी रिलेक्स करता है। इसके अलावा देसी घी से पलकों पर हल्के हाथ से मसाज करने पर भी सिर दर्द और तनाव की प्रॉब्लम दूर होती है, साथ ही अच्छी नींद भी आती है।

रैशेज और डार्क सर्कल दूर करे

अगर आपकी आंखों के चारों तरफ काले घेरे हैं या फिर किसी तरह के रैशेज हैं, तो भी देसी घी काफी फायदेमंद हो सकता है। ये आंखों के पास की स्किन को पोषण देता है और ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। इस वजह से डार्क सर्कल कम होते हैं और आंखों के आसपास की स्किन सॉफ्ट और सुंदर होती है।

कैसे इस्तेमाल करें?

आयुर्वेद के अनुसार हमेशा गाय का शुद्ध देसी घी की आंखों में डालने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। आप रोज रात सोने से पहले आंखों के चारों ओर घी से हल्की मसाज कर सकते हैं। इसके अलावा जैसे काजल लगाया जाता है, ठीक उसी तरह घी को भी अप्लाई किया जा सकता है। अगर आपको आंखों से जुड़ी कोई समस्या है, तो इस्तेमाल से पहले एक बार अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सोया चाप

सोया चाप खाना बहुत लोगों को पसंद होता है। स्वादिष्ट होने के साथ ही यह पोषक तत्वों का अच्छा सोर्स है। इसमें प्रोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इससे मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे तत्व होते हैं, जिससे हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इस हर कोई अलग-अलग तरह से बनाना पसंद करता है। सोया चाप स्टिक बाजार से लाकर उसकी डिश बनाई जाती है। लेकिन यह फ्रेश है या नहीं इसके बारे में किसी को नहीं पता होता है। इसलिए आप सोया स्टिक को घर पर भी बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान रेसिपी के बारे में...

<u>आवश्यक सामग्री</u>

सोया चाप स्टिक घर पर बनाने के लिए आपको चाहिए होगा 1 कप भिगोए हुए सोयाबीन, 1 कप सोया नगेट्स उबले हुए, 1 कप मैदा, 3 टी स्पून, 1/4 कॉर्न फ्लोर और जरूरत के मुताबिक नमक

सोया चाप स्टिक बनाने के लिए सबसे पहले तो सोयाबीन लें और उसे साफ कर लें। उसे रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें। अगले दिन सुबह पानी से निकाले और उसे एक बार फिर साफ पानी से धो लें। अब उसे मिक्सी में डालकर पीस लें। अब इसके बाद सोया नगेट्स लें और उन्हें उबालें। अब इन्हें ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद इस भी मिक्सकर जार में डालकर पीस लें। अब एक मिक्सी में पिसा हुआ सोया नगेट्स और सोयाबीन डालकर दोनों को अच्छी तरह से पीस लें। अब इस मिश्रण में बेसन, कॉर्न फ्लोर, मैदा और जरूरत के मुताबिक नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और इसका सख्त आटा गूंथ लें। अब इसकी लोइयां बनाकर इससे रोटी बेलें और इसे लंबाई में काट लें। इसके बाद आइसक्रीम स्टिक लें और इसपर लपेटकर रखें। अब एक पतीला या बड़ा बर्तन लें। उसमें पानी डालकर गर्म करें। जब पानी उबलना शुरू हो जाए, तो उसमें तैयार की गई सोया चाप स्टिक्स डालें और पकाएं, जब कि स्टार्स अपने आप पानी के ऊपर आने लगे। अब इसे पानी से बाहर निकालकर ठंडा होने के लिए रखें। लीजिए बनकर तैयार है सोया चाप स्टिक्स। इससे आप सोया चाप मसाला और कुरकुरे सोया चाप अलग-अलग तरह से इसे आप डिश बना सकते हैं। घर पर बनी ये सोया चाप स्टिक बाजार के मुताबिक ज्यादा फायदेमंद रहेगी।

बच्चों के साथ बेहतर रिश्ते का ये आसान फॉर्मूला

बच्चों के साथ अच्छा रिश्ता बनाना हर मां-बाप के लिए बहुत जरूरी होता है। जब बच्चे और माता-पिता के बीच प्यार और समझ होती है, तो घर खुशहाल रहता है। लेकिन कभी-कभी हम बच्चों से सही तरीके से बात नहीं कर पाते हैं या उनका ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में रिश्ते कमजोर हो सकते हैं। इसलिए बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करना और उनके दिल की बातें समझना जरूरी है। यह आसान फॉर्मूला हर मां-बाप के लिए बहुत मददगार साबित होगा।

<u>समय दें और सुनें</u>

बच्चों के साथ अच्छा रिश्ता बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप उन्हें समय दें। उनकी बातें ध्यान से सुनें और समझने की कोशिश करें। जब बच्चे महसूस करेंगे कि आप उनकी बात सुनते हैं तो उनका आपसे जुड़ाव बढ़ेगा।

<u>साथ में खेलें और मस्ती करें</u>

बच्चों के साथ खेलना और मस्ती करना रिश्ते को मजबूत बनाता है। इससे आप उनकी दुनिया में शामिल होते हैं और उनका भरोसा बढ़ता है। साथ समय बिताने से बच्चे खुश और सक्रिय रहते हैं।

<u>प्यार जताएं</u>

बच्चों को हमेशा प्यार और अपनापन दिखाएं। प्यार भरे शब्द और गले लगाने से बच्चों का मन खुश रहता है। इससे वे आत्मविश्वासी और सुरक्षित महसूस करते हैं।

<u>उनकी भावनाओं को समझें</u>

बच्चों की भावनाओं को समझना बहुत जरूरी है। जब वे गुस्सा, खुशी या उदास होते हैं तो उन्हें दिमाग से नहीं दिल से समझें। इससे वे खुद को महत्वपूर्ण महसूस करते हैं।

<u>तारीफ करें और प्रोत्साहित करें</u>

बच्चों की छोटी-छोटी सफलताओं की तारीफ करें। इससे उनका मनोबल बढ़ता है और वे मेहनत करने लगते हैं। प्रोत्साहन से बच्चों का व्यवहार सकारात्मक होता है।

<u>बातचीत में खुलापन रखें</u>

बच्चों से खुलकर बात करें और उन्हें भी बोलने का मौका दें। इससे वे आप पर विश्वास करते हैं और अपनी परेशानियां साझा करते हैं। खुली बातचीत रिश्ते को मजबूत बनाती है।

संक्षिप्त समाचार

नवोदय विद्यालय में मेट्रन की संविदा भर्ती, 30 जून को होगा साक्षात्कार

डोंगरगढ़। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में सत्र 2025.26 के लिए संविदा मेट्रन की भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए सीधा साक्षात्कार (वॉक-इन इंटरव्यू) 30 जून 2025 को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। भर्ती प्रक्रिया केवल महिला अभ्यर्थियों के लिए है। इच्छुक महिलाएं निर्धारित तिथि पर अपने सभी मूल दस्तावेज, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो आदि के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकती हैं। अभ्यर्थी की आयु 35 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। विधवा, तलाकशुदा एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों से मुक्त महिला को प्राथमिकता दी जाएगी। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास अनिवार्य है, हालांकि उच्च शिक्षा प्राप्त अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। चयनित मेट्रन को शासन द्वारा निर्धारित अकुशल श्रेणी के अंतर्गत वेतनमान दिया जाएगा। साथ ही उन्हें भोजन, मेडिकल सुविधा और छात्राओं के साथ आवास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालय प्रबंधन ने योग्य महिला अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे तय तिथि को उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

भुमि एवं भवन को किया जाएगा नीलाम

दुर्ग (समय दर्शन)। बैंक के बकायाराशि के वसुली क्रम में केनरा बैंक शाखा अपनी बकाया वसुली अभियान में ऋणी श्रीमती सुशीला स्वर्णकार पति रामकुमान स्वर्णकार वार्ड नं.06 बी.डी. महंत उप्रनगर म.नं.210,नैला ,जांजगीर छत्तीसगढ़ के खसरा नं.3750/2 प.ह.नं. 41 आर एन.एम.बी.डी.उपनगर जांजगीर जिला-जांजगीर चापा में स्थित हैं जिसका क्षेत्रफल 3050 वर्गफीट भुमि को विक्रय कर बकायाराशि का भुक्तान करने का फैसला लिया गया। बैंक शाखा द्वारा कईबार उक्त बकायाराशि के लिए वसुली अभियान में कार्यवाई कि गई, तब भी ऋणी ने ऋण को नहीं चुकाया उक्त प्रकरण में मांग सूचना दिनांक 30.07.2024 व कब्जा सूचना दिनांक 04.10.2024 हैं और उक्त जमीन पर 2,84,127.23 राशि का भुक्तान शेष हैं। इसमें 10.06.2025 तक भविष्य का ब्याज ओर अन्य खर्च आदि है इसमें बिड बढाने कि राशि 10,000 हैं बैंक अधिकारी श्री संतोष कुमार के अनुसार ई,एम,डी,जमा व सम्पत्ती का निरक्षण की तिथि दिनांक 24.06.2025 नीलामी की तिथि 25.06.2025 को निर्धारित की गई हैं।

उत्तर गंगोत्री, सुपेला थाने के पीछे एवं नेहरू नगर में हो रहे अवैध कब्जे को हटाया गया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। राधिका नगर, नेहरू नगर पूर्व एवं उत्तर गंगोत्री के सतनाम भवन में दुकान बनाकर अवैध कब्जा किया जा रहा था। जैसे ही आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को शिकायत मिली तत्काल जोन आयुक्त जोन सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला को मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही करने निर्देशित किये। जोन क्रं. 01 राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कराकर जगह रिक्त कराने की कार्यवाही की गई। इसी तरह सुपेला थाना के पीछे एस एल आर एम सेंटर के समीप रिक्त भूमि पर विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अवैध कब्जा करने की नियत से बोर्ड और सीमेंट पोल लगाए थे, जिसे जोन राजस्व टीम द्वारा हटाकर जप्ती बनाया गया। नेहरू नगर पूर्व मंगल भवन एस.टी.पी. आई आफिस के पास अवैध कब्जा कर गैरेज बनाया जा रहा था, वहां मौके पर पहुंचकर काम को बंद करवाया गया और निर्माण को तोड़वाकर सभी सामान को जप्ती बनाया गया। कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रीय निरीक्षक यू.पी. राज्य सुरक्षा विनोद शुक्ला, नंदू सिंह एवं तोड़फोड़ दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता अपने दल के साथ उपस्थित रहे।

तालाबों में उगे जलकुंभी सफाई के साथ निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्र. 04 शिवाजी नगर क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रं. 40 एवं 41 में मंगल बाजार स्थित पूर्व निर्मित सामुदायिक शौचालय, सामुदायिक भवन एवं डोम शेड का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, वार्ड पार्षद गिरिजा बंछोर के साथ पहुंचे। दोनो भवन की स्थिति देखरेख के अभाव में ठीक नहीं है, जिसका आवश्यक संधारण कार्य कराने साथ ही डोम शेड निर्माण संबंधी नस्ती का अवलोकन कराने जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे को निर्देशित किये। वही लाईट इंडस्ट्रियल एरिया में रोड साइड नाली के उपर अवैध रूप से अतिक्रमण कर नाली को जाम कर दिया गया है, जिसके कारण पानी का निकासी नहीं हो रहा है। जिसको हटाने की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है।

संस्कारधानी को कलंकित कर रहा है रेतमाफिया : कुलबीर सिंह छाबड़ा

राजनांदगांव। शहर के मोहड़ वार्ड 49 में विगत दिनों रेत के अवैध उत्खन्न मामले पर रेत माफियाओं द्वारा निर्दोष ग्रामीणों पर गई मारपीट एवं गोलीकांड के सभी आरोपी आज दिनांक तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई, जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्यवाही करने एवं आठ दिन तक कार्यवाही नहीं होने पर संबंधित थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि संस्कारधानी शहर के ग्रामीण वार्ड मोहड़ में विगत दिनों रेत माफियाओं द्वारा बंदूक की नोक में गुंडागर्दी करते हुए एक युवक पर फायरिंग कर दी, जिसके कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। इस घटना को संज्ञान में लेते हुए छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज 17 जून को मोहड़ पहुंचकर मारपीट व गोलीकांड के पीड़ितजनों से मिले व चर्चा कर हालात की जानकारी ली एवं शासन-प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि आठ दिन में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी करों नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की बात कही थीं। आज दिनांक 19 जून गुरूवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्यवाही करते हुए जल्द से जल्द रेत माफिया से जुड़े सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि संस्कारधानी नगरी जो वीआईपी जिला कहा जाता है, वहां इस तरह की गोलीकांड जैसे घटना होना बड़े ही शर्म की बात है। हमने ज्ञापन के माध्यम से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से न्याय की मांग करते हुए संस्कारधानी नगरी को कलंकित करने वाले बाहर से आए हुए लोग जो गोली चला रहे हैं, उन सभी अपराधियों की गिरफ्तारी हो और कड़ी से कड़ी सजा मिले, जो कि प्रदेश की भाजपा सरकार के संरक्षण में मप्र के अभाविप के संजय सिंह व अन्य राजनांदगांव में रहकर इस तरह की हरकत की है, जिसका कांग्रेस संगठन घोर निंदा करती है और सभी आरोपियों को गिरफ्तारी की मांग करती है। वहीं 8 दिन में इन रेत माफियाओं पर कार्यवाही नहीं होती है, तो संबंधित थाने का घेराव किया जाएगा, जिसमें संभवत: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज भी उपस्थित रहेंगे और किसी भी प्रकार की घटना की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

इस दौरान प्रमुख रूप से जिला ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी कमलजीत सिंह पिन्टू, रमेश डाकलिया, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद यहया, महामंत्री झम्मन देवांगन, हनी ग्रेवाल, नरेश शर्मा, संतोष पिल्ले, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, शरद खंडेलवाल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष माया शर्मा, शकील रिजवी, नवाज कुरैशी, कृतलाल, अतुल शर्मा, सुरेन्द्र देवांगन, आफ्ताब, संदीप सोनी, भोला यादव, अब्बास खान, सागर ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

तबादला ओपन ने बढ़ा दी शिकायतें

बिलासपुर (समय दर्शन)। राज्य सरकार ने तबादला के प्रबंधक को खत्म क्या किया जानकार लोगों ने अधिकारियों के ख़िलाफ़ शिकायतें करना प्रारंभ कर दिया। शिकायतकर्ताओं को लगता है कि शिकायत करने से अधिकारी का तबादला हो जाएगा।

दो उदाहरण बिलासपुर जिले से पहला मामला श्रम विभाग का है जहां पर सहायक श्रम आयुक्त के खिलाफ शिकायत हुई है और दूसरा मामला पशु चिकित्सा विभाग का है जहां पर सिटी डिस्पेंसरी के कार्यरत पशु चिकित्सा के खिलाफ चिट्ठी लिखी जा रही है। पहले मामले में शिकायत कर्ता ने साहू समाज के लेटर पैड का उपयोग किया है और संबंधित अधिकारी के खिलाफ यह आरोप लगाया है कि महिला अधिकारी बदतमीज है। नागरिकों से अनुचित व्यवहार करती है जबकि वास्तविकता इससे उलट है श्रम विभाग में निरक्षर से लेकर उच्च शिक्षित कर्मचारी तक अपने प्रकरणों को लेकर आते है। इस महिला अधिकारी के समक्ष तो बंधक श्रमिक का मुआवजा से लेकर तथाकथित इंटरनेशनल स्कूल के शिक्षक के ग्रेजुएटी का भी मामला आता है और कभी किसी को शिकायत का मौका नहीं मिला। ऐसे में एक समाज के लेटर पैड पर शिकायत व्यक्तिगत खुन्नस नजर आती है। दूसरा मामला पशु चिकित्सालय शिकायतकर्ता का कहना है कि सिटी डिस्पेंसरी गौ सेवा के नाम पर जिस संगठन और स्वयं भू पदाधिकारी शासन की जमीन पर बेजा कब्जा कर बैठें है। उन्हें इस परिसर में कार्यरत एक ही डाक्टर से परेशानी है जो उनकी निजी सेवा नहीं करता शेष अस्पताल में जो भी लोग अपने पालतू पशुओं को लेकर आते उन्हें चिकित्सक के व्यवहार में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं दिखती है। कार्यकर्ता ने डिस्पेंसरी में गलत इलाज के कारण पशुओं की अधिक मौत पर शिकायत की है ऐसे में पदस्थ चिकित्सक सामूहिक रूप से उत्तरदाई हो सकता है। तब भी इसी डिस्पेंसरी में अन्य डॉक्टरों के कार्यकाल में पशुओं की मौत को जाने बगैर तुलनात्मक तथ्य कैसे निकाला जा सकता है।

अलका बाघमार शैक्षणिक दौरे पर इंदौर रवाना, महापौर ने अपनी अनुपस्थिति में 2 दिन नरेंद्र बंजारे को प्रभारी महापौर का दायित्व सौंपा

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर इंदौर रवाना हो गई हैं। उनकी अनुपस्थिति में, प्रभारी वित्त विभाग के सदस्य नरेंद्र बंजारे को दो दिनों के लिए प्रभारी महापौर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।महापौर श्रीमती बाघमार ने यह आदेश जारी करते हुए शहर के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए यह निर्णय लिया है।

प्रभारी महापौर नरेंद्र बंजारे शुक्रवार सुबह से महापौर चेंबर में अपना दायित्व संभालेंगे। इस दौरान वे महापौर के विभागीय कार्यों और महत्वपूर्ण बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

शहर का कामकाज नहीं होगा प्रभावित प्रभारी महापौर श्री बंजारे ने आश्वस्त किया है कि उनकी देखरेख में शहर का कामकाज सुचारु रूप से चलता रहेगा और कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय या कार्य प्रभावित नहीं होगा। वे निकाय के प्रशासनिक कार्यों, जैसे कि सफाई, पानी की आपूर्ति, बिजली, आदि की देखरेख करेंगे और महत्वपूर्ण बैठकों व कार्यक्रमों में भी प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी जन संपर्क के राजू बक्शी द्वारा दी गई!

धमतरी में सिकलसेल रोगियों के लिए जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन

रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी हुआ, पात्रता अनुसार दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी मिले

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी। / सिकलसेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी को लेकर जनजागरूकता फैलाने एवं रोगियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आज धमतरी में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर स्थानीय शहीद वीरनारायण सिंह सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में सिकलसेल रोगी, उनके परिजन, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सिकलसेल रोग के लक्षण, कारण, जांच, खानपान एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित रोगियों की हीमोग्लोबिन जांच, सिकल सेल की स्क्रीनिंग, एवं नि:शुल्क परामर्श की व्यवस्था भी की गई। जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। कार्यशाला में पात्रता अनुसार छह सिकलसेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. यू.एल.कौशिक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला प्रबंधक डॉ.प्रिया कंवर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यशाला का शुभारंभ कर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने सिकलसेल बीमारी की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले में विशेष समुदाय में यह बीमारी अधिक पाई जाती है और इसके लिए सतत जागरूकता एवं सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। इस कार्यशाला के माध्यम से इस रोग की जानकारी, उसके उपचार, बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सिकलसेल के रोगियों की दैनिक और सामाजिक परेशानियों को कम करने, उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके इलाज, रोजगार, पढ़ाई आदि के लिए भी शासन-प्रशासन प्रयास कर रहा है।

सफलता की कहानी : खुद के आशियाने में परिवार के साथ हंसी-खुशी जीवन व्यतीत कर रहा फुलेश्वर कमार

प्रधानमंत्री जनमन योजना से फुलेश्वर के पक्के मकान का सपना हुआ सच

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना वरदान साबित हो रहा है। इस योजना से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ धमतरी जिले के कमार समुदाय के लोगों को सीधा-सीधा मिल रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत धमतरी जिले के दूरस्थ वनांचल नगरी के कल्लेमेटा के विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय कमार वर्ग के हितग्राही श्री फुलेश्वर के खुद के पक्के आशियाने का सपना साकार हुआ है। फुलेश्वर ने आवास पूरा होने पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उनकी दशा और दिशा बदल दी है। योजना के तहत वर्ष 2023-24 में उन्हें आवास की मंजूरी मिली। पंचायत स्तर पर दस्तावेजों की पूर्ति होने के साथ ही घर बनाने का काम शुरू किया गया। इसमें पहली किश्त के तौर पर 40 हजार रुपये मिलते ही उनका मकान बनने की उम्मीद पक्की होने लगी। श्री फुलेश्वर कमार ने तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर आवास निर्माण काम शुरू किया। मकान निर्माण आगे बढ़ने के साथ ही प्रगति के आधार पर क्रमश: दूसरी किश्त 60 हजार रूपये, तीसरी किश्त 80 हजार रूपये और चौथी किश्त 20 हजार रूपये की राशि मिलती गई और देखते ही देखते उनके सपनों का आशियाना पूरा होकर तैयार हो गया। श्री फुलेश्वर कमार ने बताया कि घर बनाने में कार्य करने पर मनरेगा के तहत उन्हें 90 दिनों की मजदूरी का भुगतान भी किया गया। श्री फुलेश्वर कमार अपने पुराने दिनों की कठिनाई याद करते हुए बताते हैं कि वह एक राजमिस्त्री हैं। रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

एक एकड़, एक साल, एक लाख : जिले में औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने की तैयारी

प्रथम चरण में लगभग 200 एकड़ रकबे में औषधीय पौधों की खेती की योजना, कलेक्टर श्री मिश्रा ने औषधीय पादप बोर्ड के सीईओ से कार्ययोजना पर की चर्चा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी। / कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा जिले में किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। जिले में मखाना की खेती, नारियल की खेती, मिलेट्स की खेती, उद्यानिकी फसलों को खेती को बढ़ावा देने की कार्ययोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री मिश्रा ने एक और नई पहल की है। धमतरी जिले में विशेषकर कुरूद, मगरलोड, धमतरी विकासखण्डों में औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय बढ़ाने पर जल्द ही काम शुरू होगा। कलेक्टर ने आज इसके लिए औषधीय पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.सी.एस. राव के साथ बैठक की। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव सहित औषधीय पादप बोर्ड के सलाहकार श्री कोसरिया और आजीविका मिशन के परियोजना अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक में धमतरी जिले में औषधीय पौधों की खेती की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिले में औषधीय पौधों की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और मिट्टी को ध्यान में रखते हुए खेती की कार्ययोजना बनाई जा रही है। पादप बोर्ड के सीईओ ने जिले में औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय में तेजी से बढ़ोत्तरी होने के बारे में बताया। उन्होंने एक एकड़ भूमि पर एक साल में औषधीय पौधों की खेती से किसानों से 75 हजार रूपये से लेकर एक लाख रूपये तक के शुद्ध मुनाफे की जानकारी दी। सीईओ ने बताया कि वनभूमियों, सामुदायिक खेती, अनुबंध आधारित खेती के साथ-साथ स्व सहायता समूहों को औषधीय पौधों की खेती से जोड़कर जिले को हर्बल जिले के रूप में नई पहचान दिलाई जा सकती है। सीईओ ने यह भी बताया कि इसके लिए औषधीय पादप बोर्ड द्वारा किसानों को अनुदान, प्रशिक्षण और सीडलिंक्स आदि के लिए आर्थिक सहायता भी पात्रता अनुसार दी जाएगी। किसानों के खेतों में अनुबंध खेती के तहत उगाए गए औषधीय उत्पादों को बेचने के लिए भी पादप बोर्ड द्वारा सहायता दी जाएगी। बड़ी फार्मा कम्पनियों, आयुर्वेदिक उत्पाद निर्माताओं और निर्यातकों की सहायता से इन उत्पादों को देश-विदेश में बेचने में मदद की जाएगी।

लगभग 200 एकड़ रकबे में शुरू होगी औषधीय पौधों की खेती- जिले मे पहले चरण में कुरूद, मगरलोड और धमतरी विकासखण्ड के चयनित गांवों में लगभग 200 एकड़ रकबे में औषधीय पौधों की खेती शुरू करने की प्रशासन की योजना है। अगले एक सप्ताह में विकासखण्ड स्तर पर गांवों और हितग्राहियों का चयन करने का लक्ष्य प्रशासन ने निर्धारित किया है। इसके लिए पहले से ही पंचायत स्तर पर ग्रामीणों की बैठक लेकर उन्हें औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। जिले में खस, ब्राम्ही, लेमनग्रास, शतावरी, गिलोय, तुलसी, बच, पचौली जैसे औषधीय पौधों की खेती की योजना है। जिले में शतावरी, गिलोय, ब्राम्ही, तुलसी के लगभग 20 हजार पौधें नर्सरियों में उपलब्ध हैं, जिन्हें चालू मानसून में बूटीगढ़ और आसपास के क्षेत्र में रोपा जाएगा। इसके साथ ही लगभग 70 एकड़ रकबे में खस और 30 एकड़ में ब्राम्ही के पौधे भी रोपने की तैयारी की जा चुकी है।

धमतरी में हर्बल मंडी स्थापना का भी प्लान- औषधीय पौधों की खेती से कम लागत में अच्छे फायदे को ध्यान में रखते हुए इनके विपणन के लिए धमतरी में हर्बल मंडी स्थापित करने की भी प्रशासन की योजना है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इसके लिए स्थानीय कृषि उपज मंडी में स्थल चयन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। धमतरी में हर्बल मंडी स्थापित हो जाने से जिले के औषधीय खेती करने वाले किसानों के साथ-साथ आसपास के इलाकों के लोगों को फायदा होगा। वनांचलों में जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाले ग्रामीणों को भी जड़ी-बूटियों का अच्छा दाम मिलेगा। मंडी स्थापित हो जाने से डाबर, पतंजली, हमदर्द, नेचुरल्स जैसी बड़ी आयुर्वेदिक उत्पाद निर्माता फार्मा कंपनियों को औषधीय पौधें बेचने की सुविधा किसानों को मिलेगी, जिससे उन्हें अपनी उपज का वाजिब दाम मिल पाएगा। हर्बल मंडी से औषधीय पौधों को मिलने वाले बाजार के कारण क्षेत्र में किसानों का रूझान इनकी खेती की तरफ बढ़ेगा।

औषधीय पौधों की खेती से किसानों को अच्छा लाभ होगा- जिले में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने से एक तरफ किसानों को तो अच्छा लाभ होगा ही, इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों को भी बढ़ावा मिलेगा। औषधीय पौधों की खेती कम लागत में अधिक मुनाफा वाली खेती है। किसान एक एकड़ रकबे में खस की खेती से एक साल में लगभग 90 हजार रूपये, पचौली की खेती से एक लाख 30 हजार रूपये, बच की खेती से एक लाख रूपये, ब्राम्ही की खेती से लगभग 80 हजार रूपये का शुद्ध मुनाफा ले सकते हैं। औषधीय पौधों को देखभाल और सिंचाई की आवश्यकता कम होती है, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है।

खबर-खास

जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 20 जून को

सांसद रुपकुमारी चौधरी जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव के मुख्य अतिथि होंगी

गरियाबंद। नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के अंतर्गत जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार 20 जून को प्रात: 9 बजे से जिला मुख्यालय गरियाबंद के पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में किया जायेगा।जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होंगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू,विशेष अतिथि बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक राम ध्रुव होंगे।विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप,वरिष्ठ अनिल चन्द्राकर,नगर पालिका परिषद् गरियाबंद के अध्यक्ष रिखी राम यादव,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर,जनपद पंचायत गरियाबंद के अध्यक्ष सोहन ध्रुव,नगर पालिका परिषद् गरियाबंद के उपाध्यक्ष आसिफ मेमन,जनपद पंचायत गरियाबंद के उपाध्यक्ष लेखराम साहू,शा.प्रा.वि. स.पी.एमश्री स्वा.आ.हि.मा.वि. गरियाबंद सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

निर्देशक बाबला बागची की पहली संगीत प्रधान फिल्म 'संगी रे लहुट के आजा आज से सिनेमा घरों में...

योगेश अग्रवाल प्रकाश अवस्थी दमदार रोल में...

बिलासपुर (समय दर्शन)। सुपरहिट पहली फिल्म 'मोर छैया भुइयां'को अपने संगीत से अमर बनाने वाले प्रसिद्ध संगीतकार बबला बागची निर्देशक के रूप में अपनी पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म 'संगी रे लहुट के आजा' लेकर आ रहे हैं। उनके साथ निर्माता के तौर पर सुशील गर्ग भी जुड़े हैं। संगी रे फिल्म छत्तीसगढ़ की पहली संगीत-प्रधान फिल्म बताई जा रही है, जिसकी कहानी दो गायकों के प्यार, उनके सपनों और संघर्षों के इर्द-गिर्द घूमती है। खाश बात ये भी है कि निर्देशक बाबला के फिल्मी गुरु सुपर डायरेक्टर सतीश जैन इस फिल्म में दमदार अभिनय करते दर्शकों मंत्र मुग्ध अचंभित करते दिखाई देंगे फिल्म में मुख्य भूमिका में नवोदित कलाकार प्रतीक के साथ छत्तीसगढ़ी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री सिल्की गुहा नजर आएंगी। प्रतीक इस फिल्म से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कर रहे हैं और निर्देशक बाबला बागची का मानना है कि यह फिल्म प्रतीक के करियर के लिए मील का पत्थर साबित होगी।फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। मुख्य जोड़ी के अलावा, छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुपरस्टार प्रकाश अवस्थी,सतीश जैन ,सिखा चितांबरे, पुष्पेंद्र सिंह, योगेश अग्रवाल, सतीश जैन, सिग्मा उपाध्याय, हेमलाल कौशल और धर्मेंद्र अहिरवार जैसे मंझे हुए कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

संगीत, निर्देशक बाबला बागची,निर्माता: सुशील गर्ग कैमरा दिनेश ठक्कर,संपादन: पूरन किरी

क्रिएटिव हेड: शुशांत शर्मा

डि आई : नितेश झा

दमदार कहानी, सुरीले संगीत और बेहतरीन कलाकारों की टीम के साथ, 'संगी रे लहुट के आजा' से छत्तीसगढ़ी सिनेमा के दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म 20 जून 2025 को,सिल्वर स्क्रीन बिलासपुर सहित प्रदेश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत ग्राम सलोनी में चलाया गया जनजागरूकता अभियान

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत थाना केरेगांव पुलिस द्वारा दिनांक 19 मई 2025 को ग्राम सलोनी के साप्ताहिक हाट-बाजार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हाट बाजार में उपस्थित ग्रामीणों एवं दुकानदारों को नशे से होने वाले शारीरिक,मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने आम जनता से सीधा संवाद कर उनके सवालों के उत्तर दिए और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।उपस्थित ग्रामीण जनों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

राज्य भंडार गृह निगम अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने गोदाम का निरीक्षण कर भंडारण व्यवस्था पर जताई संतोष, वृक्षारोपण कर दिया हरियाली का संदेश

गरियाबंद (समय दर्शन)। बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य भकार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने गरियाबंद जिले के नहरगांव स्थित भंडार गृह निगम शाखा और गोदाम परिसर का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने भंडारण व्यवस्था,चावल की गुणवत्ता और भंडारण की तकनीकी व्यवस्थाओं की गहनता से जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने गोदाम में चावल की सुरक्षा, रख-रखाव और भंडारण के तरीके की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था बेहतर है और इसी तरह गुणवत्ता और मानक को बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने गोदाम प्रबंधन को निर्देशित किया कि अनाज की सुरक्षा और गुणवत्तायुक्त भंडारण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो, ताकि किसानों और उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रह सकें।

निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष चंदूलाल साहू के साथ गरियाबंद भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्रकार,वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव

सिंह हुंडल अनूप भोंसले अजय रोहरा नोडल अधिकारी बी.एल. नोडल,किरण राय डी.एम.,अन्य वरिष्ठ नेता अधिकारी और निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।सभी ने गोदाम के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण कर भंडारण प्रणाली को देखा और जरूरी बिंदुओं पर चर्चा की।निरीक्षण के बाद अध्यक्ष साहू ने परिसर में वृक्षा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि निगम के परिसरों में हरियाली बढ़ाना आवश्यक है,ताकि हम अपनी जिम्मेदारी के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रख सकें।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे वृक्षों की देखरेख करें और परिसर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखें।अध्यक्ष ने अपने निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोदाम परिसर की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में और सुधार करें तथा किसानों से संबंधित कार्यों में पारदर्शिता और तत्परता बनाए रखें।इस मौके पर उपस्थित लोगों ने भी उनके प्रयासों की सराहना की।

यह निरीक्षण कार्यक्रम निगम की कार्य प्रणाली को सशक्त और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बजाज आलियांज़ पेश करता है आपके लिए - खास छत्तीसगढ़ केवासियों के लिए बनाया एक हेल्थ इंश्योरेंस

रायपुर। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंसकंपनी 'आपके लिए' नाम से एक नया हेल्थ प्लान लेकर आई है. यहछत्तीसगढ़ के लोगों की खास स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने केलिए डिज़ाइन किया गया एक अग्रणी हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट है. आपकेलिए बस एक हेल्थ प्लान नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोगों से कियागया एक वादा है, जो राज्य की विशेष मेडिकल स्थितियों के अनुसारकवरेज और उच्च क्वालिटी हेल्थकेयर सुनिश्चित करता है. इस बात कोसमझते हुए कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, खर्च और उपचार कीउपलब्धता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है, बजाज आलियांजने हर किसी के लिए एक जैसे प्लान की बजाय, पर्सनलाइज़्ड कवरेजप्रदान करने के लिए 'आपके लिए' को तैयार किया है. यह प्लान छत्तीसगढ़के निवासियों के लिए अस्पतालों की स्थिति और किफायत को ध्यान मेंरखते हुए तैयार किया गया है, ताकि लाभार्थियों को आवश्यकता केअनुसार सुरक्षा मिल सके. किफायत और एक्सेसिबिलिटी को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन कियागया, आपके लिए विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के लोगों के लिएकस्टमाइज़ किए गए प्रीमियम सहित व्यापक कवरेज प्रदान करता है. यहपॉलिसी व्यक्तिगत और फ्लोटर दोनों प्रकारों में उपलब्ध है, जो इसे निजीउपयोग एवं परिवारों के लिए एक आदर्श समाधान बनाती है. इसमें 5 लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक का बीमा कवर चुनने का विकल्पहै, जिससे युवा प्रोफेशनल्स से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई अपनी ज़रूरतके हिसाब से हेल्थ कवर ले सकता है. आपके लिए हेल्थ इंश्योरेंस प्लान व्यापक कवरेज प्रदान करता है, जिसमेंइनपेशेंट हॉस्पिटलाइज़ेशन, हॉस्पिटल में भर्ती होने से पहले और बाद केखर्च और डे केयर प्रोसीजर शामिल हैं. यह रोबोटिक सर्जरी और स्टेम सेलथेरेपी जैसे एडवांस्ड ट्रीटमेंट को भी कवर करता है, ताकि पॉलिसीधारकोंको बेहतर और आधुनिक मेडिकल केयर मिल सके. यह पॉलिसी जानबचाने वाले ट्रांसप्लांट से जुड़े फाइनेंशियल बोझ को कम करते हुए, मूलकवरेज के हिस्से में अंगदाता के खर्चों को भी कवर करती है. आजीवनरिन्यूअल विकल्प के साथ, आप के लिए उम्र की किसी भी पाबंदी के बिनालगातार कवरेज की गारंटी देता है. इससे व्यक्ति और परिवारों को लंबेसमय तक सुरक्षा मिलती है.सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए, यह प्लान कई तरह के वैकल्पिकऐड-ऑन्स प्रदान करता है. अनलिमिटेड सम इंश्योर्ड रीइंस्टेटमेंट सुविधापॉलिसीधारकों को क्लेम करने के बाद पॉलिसी अवधि के भीतर अपनेसम इंश्योर्ड को अनलिमिटेड बार रीस्टोर करने की सुविधा देती है, जिससेमेडिकल एमरजेंसी के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा और निरंतर फाइनेंशियलसहायता सुनिश्चित होती है. सिर्फ इतना ही नहीं, इसमें आपको सुपरक्यूमुलेटिव बोनस भी मिलता है यानी अगर अगर आपने पिछले सालों मेंकोई क्लेम नहीं किया है, तो आपको क्लेम-फ्री वर्षों के लिए 200त्न तकज़्यादा बीमा कवर मिलेगा. इससे हर साल आपका कवरेज बढ़ता जाताहै. जो लोग कैशलेस क्लेम का विकल्प चुनते हैं, उनके लिए, कैशलेसडिस्काउंट प्रीमियम को कम करता है, जिससे पॉलिसी और भी अधिककिफायती हो जाती है. इसके अलावा, एक्सीडेंटल डेथ कवरपॉलिसीधारक की दुर्घटना में मृत्यु होने की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में परिवारोंको आर्थिक सुरक्षा भी देता है. कुल मिलाकर, आपके लिए एक ऐसाहेल्थ इंश्योरेंस प्लान है जो आपको हर तरह से कवर करता है औरआपकी ज़रूरतों के हिसाब से बदल भी सकता है.

अनियमितता मिलने पर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा 5 दुकानों पर उर्वरक नियंत्रण के तहत आवश्यक कार्यवाही

विकासखंड मैनपुर एवं देवभोग के विभिन्न उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर कार्यवाही की गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस. उईके ने जिलें में उर्वरक के अवैध परिवहन, कालाबाजारी, मुनाफाखोरी रोकने तथा शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही कृषकों को उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है। इसके परिपालन में कृषि विभाग के उपसंचालक चंदन कुमार रॉय द्वारा जिला स्तरीय निरीक्षण दल गठित किया गया है। जिला स्तरीय दल द्वारा बुधवार 18 जून को विकासखण्ड मैनपुर एवं देवभोग के विभिन्न उर्वरक विक्रय केन्द्रों पर छापामारी कार्यवाही की गई। जिसमें से अनियमितता पायी गई 5 दुकानों पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत आवश्यक कार्यवाही किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स कैलाश कृषि केन्द्र एवं आद्या कृषि केन्द्र अमलीपदर विकासखण्ड मैनपुर द्वारा प्रतिष्ठान पर मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करने, निर्धारित प्रपत्र में कैश,क्रेडिट मेमों जारी नहीं करने,निर्धारित अभिलेखों का संधारण नहीं करने तथा बिना पी.ओ.एस.मशीन के उर्वरको का विक्रय करना पाया गया। जिसके फलस्वरूप उपरोक्त प्रतिष्ठानों को विक्रय प्रतिबंध की कार्यवाही करते हुए नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर जवाब तलब किया गया है।शासन के निर्देशानुसार कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग गरियाबंद के जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा बीज,उर्वरक, कीटनाशक प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।कृषि विभाग के उपसंचालक ने बताया कि जिले के सहकारी संस्थाओं में 17 हजार 500 क्विंटल धान बीज,किस्म एमटीयू-1010, -1001,एमटीयू-1156, एमटीयू-1318, स्वर्णा, स्वर्णा सब-1, महामाया, विक्रम टीसीआर,सीजी-देवभोग, आईआर-64 एवं 19299 मिट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश, एनपीके-20:20:0:13, एनपीके 28:28:0, एनपीके -12:32:16 का भण्डारण किया गया है। जिसमें से 12 हजार 100 क्विंटल धान बीज एवं 13 हजार 389 मिट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। उप संचालक चंदन रॉय द्वारा अमलीपदर, उरमाल, भेजीपदर एवं खोखमा सहकारी समिति का निरीक्षण किया गया तथा जिले को बीज उत्पादन के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक कृषकों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में सम्मिलित करने हेतु निर्देशित किया गया। वर्तमान में सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में धान बीज एवं रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने कृषक भाईयों से आग्रह किया है कि संबंधित सहकारी समिति से शून्य प्रतिशत ब्याज पर किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से निर्धारित दर पर धान बीज एवं रासायनिक उर्वरकों का उठाव कर सकते है। निर्धारित दर पर अधिकृत विक्रेता से ही बीज,उर्वरक एवं कीटनाशक का क्रय करें एवं क्रय की गई सामाग्री का पक्का बिल आवश्यक रूप से लें तथा बीज एवं उर्वरक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर विक्रय करने पर कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा उप संचालक कृषि कार्यालय को सूचित करें।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने लॉन्च किया फर्टिलिटी सर्कल

रायपुर। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, भारत के तीन प्रमुख फर्टिलिटी नेटवर्क्स में से एक, ने फर्टिलिटी सर्कल (1800 123 1515) लॉन्च किया है - भारत की पहली टोल-फ्री और अनरिकॉर्डेड सपोर्ट लाइन। यह फर्टिलिटी काउंसलिंग सेवा पूरे भारत में अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध है, और जल्द ही इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी शुरू करने की योजना है। यह सेवा उन लोगों के लिए है जो प्रेग्नेंसी की प्लानिंग कर रहे हैं, पेरेंट्स बनने की कोशिश कर रहे हैं, इससे संबंधी ट्रीटमेंट पर विचार कर रहे हैं या फर्टिलिटी समस्याओं से संभंदित मन में सवाल लिए हुए हैं। अभिषेक अग्रवाल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने कहा, हमने फर्टिलिटी सर्कल की शुरुआत की है ताकि लोग बिना डर, दबाव और किसी लागत के अपनी फर्टिलिटी संबंधी सभी समस्याओं और उलझनों पर खुलकर बात कर सकें। यह सेवा सुनिश्चित करती है बस कोई उनकी बात सुनने वाला हो और उन्हें सवालों से अकेले नहीं जूझना पड़े। पारुल त्यागी, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने कहा कि फर्टिलिटी सर्कल एक ऐसा स्पेस है जहाँ हर सवाल सुना और समझा जाता है - खासकर तब, जब प्रेग्नेंसी और इंफर्टिलिटी जैसे विषयों पर बात करना आसान नहीं होता। फर्टिलिटी हेल्थ के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने और इस सपोर्ट का दायरा और उपलब्धता बढ़ाने के लिए हम अलग-अलग संस्थाओं और प्लेटफॉर्म्स के जुड़ रहे हैं। क्योंकि जब बात प्रेग्नेंसी या फर्टिलिटी समस्याओं से जुड़ी होती है, तो लोग अक्सर चुप रह जाते हैं। कई बार उन्हें समझ नहीं आता कि शुरुआत कहां से करें या किससे बात करें। एक आंतरिक सर्वे में पता चला कि इंफर्टिलिटी का सामना कर रहे 90 प्रतिशत से अधिक लोग भावनात्मक दवाब महसूस करते हैं, लेकिन केवल 29 प्रतिशत लोग ही समय पर मदद लेते हैं। कई लोग मदद लेने में दो साल से भी अधिक समय की देरी कर देते हैं, क्योंकि उन्हें शर्म, उलझन या सही जगह की जानकारी नहीं होती। फर्टिलिटी सर्कल, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ की वह पहल है जहाँ पूरी गोपनीयता के साथ, बिना किसी दबाव और जजमेंट के लोगों को फर्टिलिटी से संभंधित सही मागदर्शन मिलेगा।

अवैध रेत पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई: कलेक्टर ने दो रेत भंडारण अनुमति निरस्त

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी, कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर धमतरी में अवैध रेत भंडारण, खनन और परिवहन पर लगातार कार्यवाही जारी है। अवैध रेत पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कलेक्टर ने 2 रेत भंडारण अनुमतियों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। दोनों अनुमतियां स्वीकृत सीमा से अधिक रेत भंडारित करने, अनियमितता बरतने और अवैध रेत भंडारण करने के कारण निरस्त की गयी है। इसके साथ ही दोनों अनुमतियों की प्रतिभूति राशि भी जप्त कर ली गयी है। कलेक्टर ने यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ खनिज नियम 2009 के प्रावधानों के तहत् की है। इसे जिले में अवैध रेत के व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। कलेक्टर ने आज भरारी गांव में लगभग आधे एकड़ रकबे में रेत भंडारण के लिए वरूण कुमार साहू द्वारा ली गई अनुमति को निरस्त कर दिया। वरूण कुमार ने यह अनुमति अप्रैल 2025 में पांच वर्ष के लिए गौण खनिज साधारण रेत भंडारण के लिए ली थी। इसकी स्वीकृत भंडारण क्षमता 6 हजार घन मीटर थी। इस जगह पर निरीक्षण के दौरान स्वीकृत मात्रा से अधिक अवैध रेत पाये जाने और रेत भंडारण के लिए निर्धारित मापदंडों में अनियमितता पाये जाने पर वरूण साहू को जारी की गयी, अनुमति को निरस्त किया गया है। इसके साथ ही खनिज नियमों क उल्लंघन के लिए श्री साहू पर 3 लाख 86 हजार 200 रूपये का जुर्माना भी अधिरोपित किया गया है। दूसरी अनुमति दोनर गांव के लिए श्री शैलेन्द्र कुमार नागवंशी को जून 2023 में 5 वर्ष की अवधि के लिए जारी की गयी थी। इसकी भी स्वीकृत भंडारण क्षमता 6 हजार घन मीटर थी। निरीक्षण के दौरान स्वीकृत स्थान पर रेत भंडारण में पायी गयी अनियमितताओं और अनुमति के मापदंडों के उल्लंघन पर संबंधित अनुमति निरस्त करने की कार्रवाई की गयी है तथा जमा की गयी, 50 हजार रूपये की प्रतिभूति राशि को भी जप्त कर लिया गया है।

अब तक 23 वाहन, 4 चैन माउंटेड मशीने जप्त, 5 हजार घन मीटर से अधिक अवैध रेत की भी जप्ती- इसके साथ ही 10 जून से जिले में रेत के उत्खनन और परिवहन पर प्रतिबंध के बाद अब तक कुल 23 हाईवा और ट्रेक्टर वाहनों को अवैध रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया है।

जिला में डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा मनाया जा रहा है

गरियाबंद (समय दर्शन)। बारिश के मौसम में डायरिया अथवा दस्त का प्रकोप बढ़ जाता है।खास तौर से छोटे बच्चों में इसकी ज्यादा शिकायत आती है।गर्मी के बाद बरसात का मौसम शुरू होने पर बच्चे तत्काल मौसम के अनुकूल ढल नहीं पाते, साथ ही खानपान में गड़बड़ी,या अस्वच्छता के कारण भी डायरिया होने की संभावना बढ़ जाती है।इसी कारण डायरिया की रोकथाम हेतु जिले में 16 जून से 31 जून तक डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन किया गया है।इस अभियान के दौरान बच्चों को व दस्त पीड़ित के परिजनों को दस्त प्रबंधन,हाथ धुलाई और साफ सफाई के बारे में जानकारी देने के साथ ही जीवन रक्षक घोल ओआरएस पावडर एवं जिंक गोली के उपयोग के बारे में बताते हुए बच्चों के घरों में वितरण भी किया जा रहा है।इस अभियान की शुरुआत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ

गार्गी यदु पाल द्वारा स्टॉप डायरिया कैंपेन के रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करके किया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम)गणपत नायक सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल ने बताया कि दस्त पाचन तंत्र से संबंधित एक गंभीर बीमारी है जो कि दूषित पानी और भोजन के सेवन से होता है।यह शून्य से पांच साल तक के बच्चों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। दस्त के दौरान मरीज को कई बार लगातार पतले दस्त होते हैं जिस कारण दस्त पीड़ित के शरीर में पानी की कमी होना शुरू हो जाता है जिसे निर्जलीकरण कहते हैं।समय पर उचित इलाज न मिलने पर मरीज को जान का खतरा हो सकता है।प्राय: कुपोषित और कमजोर प्रतिरक्षा वाले बच्चे इसका जल्दी शिकार हो जाते हैं। डायरिया के प्रमुख लक्षणों में पानी की तरह बार बार पतला दस्त,पेट में ऐठन या उल्टी मतली होना,बुखार,निर्जलीकरण और भूख न लगना है।डायरिया होने पर मरीज को ओआरएस घोल उम्र अनुसार लगातार हर दस्त के बाद पिलाना चाहिए।ओआरएस नहीं मिलने पर उबाल कर ठंडा किया हुआ एक गिलास साफ पानी में एक चम्मच शक्कर और चुटकी भर नमक मिलाकर भी जीवनरक्षक घोल तैयार कर पिलाया जा सकता है।रोगी की स्थित में सुधार न होने पर अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए। डायरिया से बचाव हेतु खानपान और साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिए।दूषित जल और भोजन सेवन से बचना चाहिए।यदि डायरिया हो तो निकट के मितानिन,स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर के पास जाकर परामर्श और उपचार लेना चाहिए।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

क्रमांक / / वाचक-1/व्यपवर्तन / 2025 पत्थलगांव, दिनांक 29/05/2025

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र मार्टिन लकड़ा आ. स्व. रफैल लकड़ा जाति उरांव निवासी ग्राम दर्रापारा, पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव जिला- जंशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पत्थलगाव प. ह. नं. नं. 06 स्थित आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदित भूमि का सारिणी

क्र.	ग्राम	प.ह.न.	आवेदित भूमि			प्रयोजनार्थ
			ख.नं.	रकबा	वर्ग मी.	
1	2	3	4	5	6	7
	पत्थलगांव	06	221/4 सामिल नं. 222/4	0.081 हे.	-	आवासीय प्रयोजनार्थ

उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 25.06.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

लोक सेवा गारण्टी

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

खेल प्रतिभाओं को निखारने ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण स्वप्निल

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में पिथौरा क्रिकेट लीग द्वारा आयोजित रात्रिकालीन ड्यूज बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी एवं विशेष अतिथि युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, विधायक प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल, आयोजन समिति के अध्यक्ष दुलिकेशन साहू, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत सोनी ने मैदान में खिलाड़ियो का परिचय प्राप्त कर

किया। इस अवसर पर खिलाड़ियो को संबोधित करते हुवे मुख्य अतिथि स्वप्निल तिवारी ने कहाँ की प्रतिवर्ष होने वाले इस आयोजन ने पिथौरा को प्रदेश भर में खेल के क्षेत्र विशेष पहचान दिलाई है ऐसे आयोजन के लिये आयोजक समिति बधाई की पात्र है निश्चित ही खेल प्रतिभाओं को निखारने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और इस भागमभाग और प्रतिस्पर्धा के दौर में जहाँ समयाभाव में हममें से अधिकतर लोग अपने दिनचर्या में खेल को शामिल नहीं कर पा रहे है जिसके चलते कम उमर में ही बी पी शुगर सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित हो रहे है। अगर हम सब दिन के कुछ ही समय खेल के लिए निकाल लेंगे तो निश्चित ही हमारा जीवन स्वास्थ्य एवं सफल होगा ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से आयोजन समिति के सुरेश ठाकुर सुधीर प्रधान कौशल दस दुर्गेश सोनी राजेश चौधरी डोलमनी डनसेना अविनाश मित्तल राजा चिरंजीवी सिंहा सुनील यादव कलीम ख़ान दिनेश साहू विजय गौतम सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

बागबाहरा मे विश्व हिन्दू परिषद का विस्तार

बागबाहरा (समय दर्शन)। बागबाहरा में विश्व हिंदू परिषद प्रखंड का विस्तार किया गया। बागबाहरा के सरस्वती शिशु मंदिर में बैठक सम्पन्न हुआ। विश्व हिंदू परिषद बागबाहरा प्रखंड में संगठन के विस्तार की दृष्टि से इस प्रकार दायित्व दिया गया। बागबाहरा प्रखंड अध्यक्ष श्याम लाल नायक, उपाध्यक्ष टिंकल चौहान, शशांक पुरांडे,मंत्री रवि सेन , बजरंग दल संयोजक विजय शर्मा,सहसंयोजक योगेश साहू, आयुष मिश्रा,गौ रक्षा प्रमुख उत्तम साहू, प्रचार प्रसार प्रमुख डीगेस साहू, बागबाहरा खंड अध्यक्ष डीगेश्वर साहू ,बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता, जिला सह संपर्क प्रमुख रमेश कर , जिला कार्यकारिणी सदस्य गिरीश चक्रधारी ,पिथोरा प्रखंड उपाध्यक्ष गणेश साहू उपस्थित रहे। रमेश कर के द्वारा संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान बसंत देवता के द्वारा जानकारी दी गई कि अगले माह के बैठक में दायित्व बोध एवं संगठन के विस्तार के विषय में विस्तृत चर्चा की जाएगी। सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं को अतिथियों ने बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान किये । समस्त कार्यकर्ताओं के सहयोग से बागबाहरा प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद को एक नई दशा एवं दिशा संगठन के विस्तार की दृष्टि से मिलेगी।

ग्राम बिरकोनी के 5 और ग्राम बड़गांव के एक रेत भण्डारण अनुज्ञा निरस्त

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम बिरकोनी के 5 और ग्राम बड़गांव के एक रेत भण्डारण अनुज्ञा को निरस्त किया गया है। खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम का उल्लंघन पाये जाने पर ग्राम बिरकोनी में सौरभ चन्द्राकर के नाम पर रेत भण्डारण हेतु स्वीकृत क्षमता 10000 टन के अनुज्ञा को निरस्त कर दिया गया है। इसी तरह दामोदर चन्द्राकर को क्षमता 10000 टन, प्रकाश चन्द्राकर को क्षमता 10000 टन, ग्राम बरबसपुर में श्रीमती भुनेश्वरी निषाद को क्षमता 10000 टन, अमित चन्द्राकर को क्षमता 4000 टन एवं ग्राम बड़गांव में विनोद अग्रवाल के पक्ष में क्षमता 10000 टन हेतु स्वीकृत खनिज साधारण रेत के कुल 06 अस्थाई भण्डारण अनुज्ञा को निरस्त किया गया है।

एसबीआई किरंदुल की प्लेटिनम जुबली पर स्टाफने किया रक्तदान, समाज सेवा का दिया संदेश

दंतेवाडा किरंदुल। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 70वीं वर्षगांठ (प्लेटिनम जुबली) के अवसर पर किरंदुल शाखा के स्टाफ ने मानवीय पहल करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस नेक कार्य में सभी स्टाफसदस्यों ने एनएमडीसी हॉस्पिटल, किरंदुल के ब्लड बैंक में पहुंचकर रक्तदान किया।इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक उत्कर्ष देवांगन के नेतृत्व में लगभग 10 स्टाफ सदस्यों, जिनमें आशीष देवांगन, सुनील कोर्राम, भुजबल कुमार, विष्णु टेकाम, अनुराग महावार, सना फातिमा, प्रतीक सायर और परख दुआ शामिल थे, ने रक्तदान किया।रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए हॉस्पिटल के डॉ. मनोज लाल, डॉ. संबित कुमार और उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा, जिन्हें स्टाफ ने धन्यवाद दिया।मुख्य प्रबंधक उत्कर्ष देवांगन ने आम जनता और एसबीआईके ग्राहकों से अपील की कि वे इस पुण्य कार्य से जुड़ें और अधिक से अधिक रक्तदान करें, ताकि जरूरतमंदों की मदद हो सके।यह पहल न केवल बैंक की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है, बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक सशक्त प्रयास है।

ग्राम बरगा में श्रद्धा और आस्था से सम्पन्न हुआ मां शीतला जुड़वा महोत्सव

साजा (समय दर्शन)। बीते गुरुवार को ग्राम बरगा में परंपरागत रूप से प्रति वर्ष आयोजित होने वाला मां शीतला जुड़वा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन आयोजन की शुरुआत भगवान सत्यनारायण व्रत कथा एवं मां शीतला देवी की विधिवत पूजा-अर्चना से की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण जन आस्था के साथ सहभागी बने।

पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना करते हुए मां शीतला का आशीर्वाद प्राप्त करना रहा। पंडित निलधर प्रसाद तिवारी द्वारा शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चार करते हुए पूजन संपन्न कराया गया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

इस धार्मिक अनुष्ठान में अरुण कुमार साहू अपनी धर्मपत्नी कंचन साहू के साथ एवं नितेश साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ मुख्य यजमान के रूप में सहभागी बने। यजमानों द्वारा विधिपूर्वक पूजन कर मां शीतला से गांव की रक्षा, फसलों की वृद्धि, वर्षा की कृपा एवं संपूर्ण ग्रामवासियों के मंगल की कामना की गई। लक्ष्मी बंजारी सेवा समिति के द्वारा माता का सेवा भजन गाया गया।पूरे आयोजन के

दौरान गांव के वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भक्तजनों के लिए प्रसाद वितरण की भी उत्तम व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी श्रद्धालु धर्म लाभ प्राप्त कर आनंदित हुए। इस अवसर पर देवराज, थानसिंग, सोनू साहू, हेमन्त साहू ,पीलूराम साहू, अजय साहू, डाकेश साहू, भूषण साहू, दौलत यादव, मुकेश साहू, मनोज साहू, राजू साहू, भरत साहू , सेवाराम साहू, चंद्रिका साहू , राकेश अंगिरा , भोला साहू , उत्तम साहू , रूपेश साहू , नाथू राम साहू, मनीराम साहू , रमेश साहू, गंगदेव साहू, मालूराम, कुलेशवर साहू , भीखम साहू, मोनू साहू उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि बरगा ग्राम में यह आयोजन वर्षों से निरंतर परंपरा के रूप में होता आ रहा है, जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि ग्रामवासियों को एक सूत्र में जोड़ने वाला सामाजिक पर्व भी बन चुका है।

पं.सुंदरलाल शर्मा मुक्त विवि द्वारा प्रवेश अधिसूचना जारी

बसना (समय दर्शन)। पं. सुंदर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शिक्षा के अंतर्गत संचालित विनिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त इन पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ होंगे एवं 31 अगस्त तक प्रवेश लिया जा सकता है। इस विश्वविद्यालय द्वारा कामकाजी तथा महाविद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित होकर शिक्षा ग्रहण न कर पाने वाले बक्तियों के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से अध्ययन करवाया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक स्तर पर बी.ए., बी.एस.सी जीवविज्ञान, बी.एस.सी.गणित, बी.कॉम. ऑनर्स, बी.बी.ए. ऑनर्स तथा बी.लिब.एण्ड आई.एस.सी. एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी साहित्य, संस्कृत साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, सनाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान व गणित में एमए के अलावा एम.एस.डब्ल्यू, एम.कॉम, एम.एस.सी गणित, एम.एस.सी कम्प्यूटर साईंस तथा एम.लिब.एण्ड आई.एस.सी का अध्ययन करवाया जाता है। उक्त सामान्य पाठ्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय विभिन्न रोजगारन्मुखी पाठ्यक्रमों का भी संचालन दूरस्थ पद्धति से करता है। इन पाठ्यक्रमों में डी.सी.ए. तथा पी.जी.डी.सी, डिप्लोमा इन योग साइन्स, डिप्लोमा इन साइकोलोजिकल गाइडेन्स एण्ड काउन्सलिंग तथा रामचरित मानस में विज्ञान से सामाजिक उत्थान में डिप्लोमा इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। इनके अलावा द्विवर्षीय बी.एड एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों में भी पृथक प्रवेश परीक्षा द्वारा प्रवेश लिया जा सकता है। बी.कॉम ऑनर्स तथा बी.बी.ए ऑनर्स में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए है। पं.सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्व विद्यालय की मान्यता प्राप्त स्थानीय शाखा शासकीय महाविद्यालय बसना व पिथौरा के विभागीय समन्वयक सन्तोष कुमार सोनी ने बताया कि,हमारे यहाँ प्रवेश पूर्णत:आनलाईन होगा। जिसकी समय सीमा 31अगस्त तक है।इस हेतु शासकीय महाविद्यालय बसना, एवं शासकीय महाविद्यालय पिथौरा मे प्रवेश ले सकते हैं ।

नवोदय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न, शत-प्रतिशत पंजीयन का लिया गया संकल्प

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 6वीं के लिए आयोजित नवोदय प्रवेश परीक्षा 2026 हेतु पंजीयन कार्य को गति देने के उद्देश्य से उन्मुखीकरण कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इस कड़ी में दिनांक 17 जून 2025 को विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार मंडल और खेल शिक्षक अनिल कुमार पाल ने राजनांदगांव जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल से भेंट कर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने हेतु आग्रह किया।

बैठक में राजनांदगांव विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवांगन, डोंगरगढ़ विकासखंड शिक्षा अधिकारी विरेंद्र कौर, छुरिया के प्रशांत, डोंगरगांव के जयंत साहू एवं नितिन हिरवानी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी बघेल ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीयन कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए और शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

18 जून 2025 को विकासखंड अंबागढ़ चौकी में विकासखंड शिक्षा अधिकारी धीवर और बीआरसी संतोष पांडे की उपस्थिति में सभी संकुल समन्वयकों और बीआरसी कर्मियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के गणित शिक्षक स्नेह अग्रवाल और खेल शिक्षक अनिल कुमार पाल ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया और चयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

मोहला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र देवांगन की अध्यक्षता में तथा मानपुर में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरुण मरकाम और बीआरसी खान मैडम की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों जगहों पर सभी संकुल समन्वयकों को नवोदय पंजीयन प्रक्रिया की बारीक जानकारी दी गई और निर्देशित किया गया कि कक्षा 5वीं में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र का पंजीयन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा ग्रामीण अंचलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। ऐसे में अधिक से अधिक पंजीयन कराने से योग्य विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जुड़ सकेंगे।

विद्यालय के गणित शिक्षक स्नेह अग्रवाल ने पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरने की तकनीकी प्रक्रिया समझाई, जबकि खेल शिक्षक अनिल कुमार पॉल ने चयन परीक्षा के प्रारूप व प्रक्रिया की जानकारी दी।

प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़ ब्लॉकों के समस्त प्रधान पाठकों व शिक्षा अधिकारियों से अपील की कि वे कक्षा 5वीं में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर नवोदय जैसी राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ें।

कार्यक्रम का समापन सभी सहभागी अधिकारियों और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए किया गया। इस दौरान नवोदय विद्यालय के शिक्षकों की सक्रिय भूमिका प्रशंसनीय रही।

बीआईओपी स्कूल में जिला प्रशासन के सहयोग से कोचिंग का शुभारंभ, 300 से अधिक युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

किरंदुल (समय दर्शन): गुरुवार को किरंदुल के बीआईओपी स्कूल में जिला प्रशासन की सहायता से कोचिंग कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर युवाओं में उत्साह देखने को मिला और पहले दिन ही लगभग 300 से अधिक बच्चों ने प्रशिक्षण का लाभ उठाया।नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कोचिंग शुरू करने के लिए दंतेवाड़ा कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत का आभार व्यक्त किया। साथ ही, भवन उपलब्ध कराने के लिए एनएमडीसी परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक श्री संजीव साईं का भी धन्यवाद किया।कोचिंग शुरू होने से पहले दंतेवाड़ा से आए लक्ष्य के शिक्षकों, नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सीएमओ, पुलिस प्रशासन, एनएमडीसी अधिकारियों, पार्षदों और युवाओं के साथ एक सार्थक बैठक आयोजित की गई।यह पहल युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्राम ठाकुरदिया कला में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

पिथौरा(समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला ठाकुरदिया कला के संयुक्त तत्वाधान में 19 जून को शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी दीवान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शाला विकास समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम ठाकुर, उपाध्यक्ष तिलक राम दीवान, यशवंत दीवान, मेलाराम ठाकुर, दिगम्बर दीवान, दिलीप कुमार दीवान, श्रीमती पालकी दीवान तथा मिडिल स्कूल प्रधान पाठक छबिराम पटेल, प्राथ ?मिक शाला प्रधान पाठिका श्रीमती कुसुमलता कुर्रे सहित बड़ी संख्या में पालक, स्कूली बच्चे, शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की

शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना से की गई। इस दौरान कार्यक्रम को सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी दीवान एवं मिडिल स्कूल प्रधान पाठक छबि राम पटेल ने सारगर्भित शब्दों से संबोधित किया। सरपंच श्रीमती दीवान ने कहा कि हर बच्चे को शिक्षा पाने का अधिकार है। कोई भी बच्चा शिक्षा पाने से वंचित न रहें। नियमित रूप

से स्कूल पढ़ने आएं और आगे बढ़ते चलें। प्रधानपाठक छबिराम पटेल ने कहा कि विद्या धन सब धन से बढ़कर होता है। बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक

प्रयास जरुरी है। इसके बाद सरपंच श्रीमती दीवान के द्वारा कक्षा पहिली एवं छठवीं के नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं मीठा खिलाकर उनका स्वागत किया और सभी बच्चों को गणवेश वितरण किया। उन्होंने इस दौरान इस विद्यालय से 8 वीं से उत्तीर्ण होने वाले प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का सम्मानित करने

की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान पाठक छबिराम पटेल, शिक्षक मोहितराम पटेल, मुकेशकुमार सिन्हा, प्राशा प्र पा कुसुमलता कुर्रे, समिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम ठाकुर, उपाध्यक्ष तिलकराम दीवान, वरिष्ठ सदस्य यशवंत दीवान, मेलाराम ठाकुर, दिगम्बर दीवान, दिलीपकुमार दीवान, श्रीमती पालकी दीवान, धनेश्वरी दीवाल, जगेश्वरी दीवान, दानीराम दीवान, भुखऊराम चक्रधारी, गंगाबाई दीवान, सावित्री चक्रधारी, हीराबाई ध्रुव, कलशराम चौहान, मितवा समिति की नीरा ठाकुर सहित सभी का सराहनीय योगदान रहा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26